शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 323 | गुवाहाटी | रविवार, 23 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता और खुद के साथ प्रतिस्पर्धा का युग — पेज 2
नीट परीक्षा में हुई धांधली के आरोप में केंद्रीय और प्रदेश शिक्षा मंत्री के फूंके पुतले — पेज 3
राजस्थान को डबल इंजन सरकार का मिलेगा पूरा लाभ : दिया कुमारी — पेज 5
आईएल टी20 सत्र 3 के लिए रसेल नारायण, वार्नर सहित 69 खिलाड़ी रिटेन — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जीवन न तो भविष्य में है, और न ही भूतकाल में है, जीवन तो सिर्फ वर्तमान में ही है।

– अज्ञात

माता के जयकारों के बीच कामाख्या धाम में अंबुवासी मेला का शुभारंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी के नीलांचल पहाड़ पर स्थित शक्ति पीठ कामाख्या धाम में शनिवार की सुबह से अम्बुवासी मेला शुरू हो गया है। कामाख्या धाम में अंबुवासी मेला प्रमुख त्योहार माना जाता है। इस उत्सव के मद्देनजर नीलांचल पहाड़ आखर्षक रोशनी से जगमग कर रहा है। माता रानी के मंदिर को सुंदर तरीके से सजाया गया है। शनिवार शाम 6.30 बजे पांडू पोर्ट पर मेला का उद्घाटन राज्य के पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने किया। इस मौके पर कामरूप (मेट्रो) जिला के आयुक्त सुमित सत्तावन, मेयर मृगेन शरणिया, कामाख्या मंदिर के बर दलै कवींद्र प्रसाद शर्मा, सरू दलै हिमाद्री शर्मा, पर्यटन विभाग के वरिष्ठ उच्च अधिकारी, पर्यटन विभाग के अध्यक्ष रितुपर्णा बरुवा के साथ अनेक गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मेला उद्घाटन पर भास्वती भारती द्वारा कामाख्या वंदना किया गया। 22 से 26 जून तक प्रत्येक वर्ष कामाख्या धाम में अंबुवासी मेला का आयोजन किया जाता है। कामाख्या धाम देवालय संचालन समिति ने बताया है कि शनिवार की सुबह 8 बजकर 43 मिनिट 39 सेकेंड पर अबुबासी की प्रवृत्ति शुरू हुई हैं और 23, 24, 25 जून तक मंदिर का कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद

रहेगा। वहीं 26 जून की सुबह देवी स्नान और नित्य पूजा समापन के बाद भक्तों के लिए मंदिर का कपाट खोल दिया जाएगा। इस बार मंदिर की स्वच्छता एवं सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। इसके लिए कामाख्या देवालय संचालन समिति, कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग विशेष रूप से तत्पर हैं। मंदिर के आसपास के इलाके में 400 सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। सुरक्षा कर्मी, स्काउट एंड गाइड, स्वयंसवक आदि मौजूद रहेंगे। उधर असम सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा अंबुवासी मेले के लिए तैयारियां की गई हैं। विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारियों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया है। अलग-अलग टुकड़ियों में सरकारी कर्मचारी कामाख्या रेलवे स्टेशन, गुवाहाटी रेलवे स्टेशन, पांडू, कामाख्या गेट के साथ ही कामाख्या मंदिर परिसर में तैनात किए गए हैं। इस दौरान पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो इसके लिए हर संभव उपाय किए गए हैं। इस बार लोगों के लिए जूता-चप्पल रखने का प्रबंध नीलांचल पहाड़ के नीचे ही किया गया है। नवनिर्मित ओवर ब्रिज के नीचे जूता-चप्पल रखने का विशाल रैक बनाया गया है। धूप के समय सड़क पर पानी छिड़कने एवं कार्पेट बिछाने की भी व्यवस्था की गई है। राज्य के पर्यटन मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने मीडिया को बताया कि आज से 27 जून तक कामाख्या मंदिर दर्शन के लिए सभी वीआईपी पास की व्यवस्था को स्थगित कर दिया -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राज्य में आज भारी बारिश की संभावना येलो अलर्ट जारी

गुवाहाटी। मौसम विभाग ने राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जो मौसम में संभावित व्यवधान का संकेत है। यह अलर्ट दो दिनों तक लगातार बारिश के बाद अनिश्चित मौसम के बाद जारी किया गया है। येलो अलर्ट वाले जिले हैं कोकराझार, चिरांग, बक्सा, -शेष पृष्ठ दो पर

एंटी पेपर लीक कानून लागू, 10 साल जेल, एक करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। देशभर में नीट पेपर लीक और यूजीसी नेट पेपर लीक पर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए एक निर्णायक कदम में, सरकार ने शुक्रवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 पेश किया। यह कानून नीट और जीसी-नेट परीक्षाओं को लेकर बड़े पैमाने पर विवाद के बीच लागू हुआ है। अधिनियम का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) जैसे प्रमुख निकायों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकना है। केंद्र सरकार ने इसी साल फरवरी में पारित हुए का। नून को शनिवार (22 जून) से लागू कर दिया है। इस अधिनियम के तहत अपराधियों के लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा और 1 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। लोक परीक्षा अधिनियम को ऐसे में लागू किया गया है, जब इसे लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से सवाल किया गया था कि इसे कब लागू किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा था कि मंत्रालय नियम बना रहा है।

कड़ी सजा : अधिनियम में परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने या उत्तर पत्रक के साथ छेड़छाड़ करते हुए पकड़े जाने पर व्यक्तियों के लिए न्यूनतम 3 साल की जेल की सजा का प्रावधान है, जिसे 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। अपराधियों को 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भी भरना होगा।

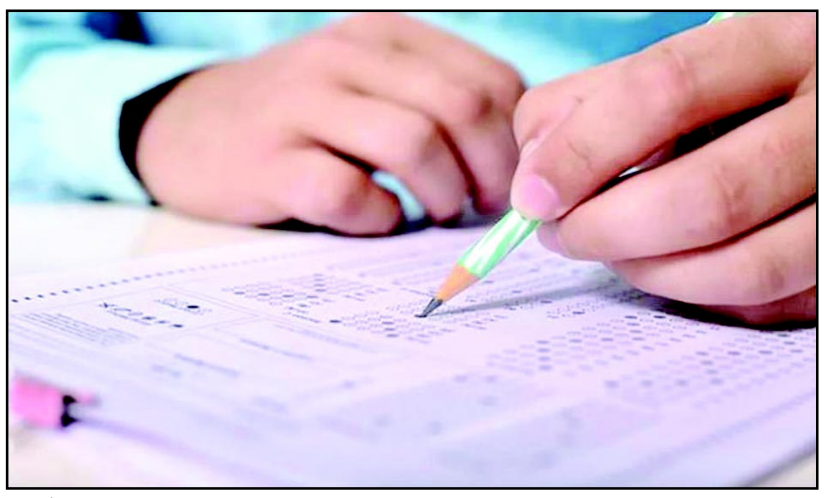

गैर-जमानती अपराध : अधिनियम के तहत सभी अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका अर्थ है कि अधिकारी किसी व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकते हैं और वे अधिकार के रूप में जमानत नहीं मांग सकते हैं।

सेवा प्रदाताओं के लिए जवाबदेही : परीक्षा सेवा प्रदाता, जिनके पास संभावित अपराध का ज्ञान है, लेकिन इसकी रिपोर्ट करने में विफल रहते हैं, उन पर 1 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

संगठित अपराध को लक्षित करना : सेवा प्रदाताओं के वरिष्ठ अधिकारी जो जानबूझकर ऐसी गतिविधियों में भाग लेते हैं या सुविधा प्रदान करते हैं, उन्हें न्यूनतम 3 साल की सजा का सामना करना पड़ेगा, जिसे संभावित रूप से 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है, साथ ही 1 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। संगठित परीक्षा कदाचार में शामिल परीक्षा अधिकारियों या सेवा प्रदाताओं को कम से कम पांच साल और अधिकतम 10 साल की कैद हो सकती है, साथ ही 1 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

निर्दोषों के लिए सुरक्षा : अधिनियम उन व्यक्तियों को कुछ सुरक्षा प्रदान -शेष पृष्ठ दो पर

मेरा जीवन असम और देश के लिए समर्पित : सोनोवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल का आज असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा द्वारा हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में पार्टी को मिले ऐतिहासिक जनादेश का जश्न मनाने के लिए किया गया था। सर्वानंद सोनोवाल ने ऐतिहासिक अंतर से डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए जनादेश प्राप्त किया। सोनोवाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर की हिंसा असम तक न फैले शरणार्थियों की मदद करें : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कछार प्रशासन से यह सुनिश्चित करने को कहा कि जिले में शांति बनी रहे और पड़ोसी राज्य मणिपुर से हिंसा न फैले। जून के पहले सप्ताह में मणिपुर के जिरिबाम में जातीय हिंसा की घटनाएं हुईं, जिसके बाद राज्य के कई लोगों ने दक्षिण असम के पास के कछार जिले में शरण ली है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट किया कि मुख्यमंत्री शर्मा ने मणिपुर के जिरिबाम में हाल की घटनाओं को देखते हुए कछार के जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूलों से संबंधित योजनाओं का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज पीएम-डिवाइन, आरआईडीएफ, एनईएसआईडीएस आदि जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य भर में भवनों के निर्माण हेतु अनुमोदन प्राप्त करने वाले स्कूलों की स्थिति के संबंध में उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण की प्रगति, कार्य आवंटन आदि की निगरानी करने का निर्देश दिया। इन परियोजनाओं -शेष पृष्ठ दो पर

अररिया के बाद सीवान में नहर पर बना ब्रिज हुआ धड़ाम

पटना। बिहार में एक सप्ताह से भी कम समय में पुल ढ़हने की एक दूसरी घटना शनिवार को सामने आयी। सिवान जिले में एक छोटा पुल ढ़ह गया लेकिन इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। सिवान के जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता ने बताया कि यह पुल दरौंदा और महाराजगंज प्रखंडों के बीच से गुजर रही एक नहर पर बनाया गया था जो सुबह लगभग पांच बजे अचानक ढह गया। इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ। यह एक बहुत पुरानी संरचना थी और जाहिर -शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी परिषद : रेल सुविधाओं पर छूट, दूध के डिब्बों पर एक समान 12 प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को वस्तु एवं सेवा कर परिषद की बैठक हुई। 53वीं जीएसटी परिषद की बैठक में व्यापार सुविधा, अनुपालन बोझ को कम करने और अनुपालन को आसान बनाने के मामले में करदाताओं को राहत देने पर कई निर्णय लिए गए हैं। बैठक में कुछ सेवाओं पर जीएसटी छूट दी गई है और कुछ समानों पर जीएसटी की एक समान दर तय की गई है। इसके अलावा आधार प्रमाणीकरण को रोल आउट किया जाएगा, जिससे फर्जी कंपनी और धोखाधड़ी वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों से निपटा जा सकेगा।

ऑनलाइन गेमिंग जीएसटी परिषद के एजेंडे में नहीं रहा। रियल-मनी गेमिंग पर पिछले साल अक्तूबर में 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया था। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां 28 प्रतिशत कर व्यवस्था की समीक्षा का इंतजार कर रही हैं। सभी दूध के डिब्बों अर्थात् स्टील, लोहा, एल्युमीनियम पर 12 प्रतिशत की एक समान दर निर्धारित करने की सिफारिश की गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

कल्लाकुरिची में जहरीली शराब सप्लाई करने वाला मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने चिन्नादुरई नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और पुलिस का मानना है कि इसी शख्स ने जहरीली शराब की सप्लाई की थी। गौरतलब है कि कल्लाकुरिची में अब तक 50 से अधिक लोग मेथनॉल युक्त शराब पीने से अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं तकरीबन 117 लोगों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। मामले को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की -शेष पृष्ठ दो पर

मक्का में मौत का आंकड़ा 1125 के पार

सऊदी ने हज यात्रियों पर लगाया लापरवाही का आरोप

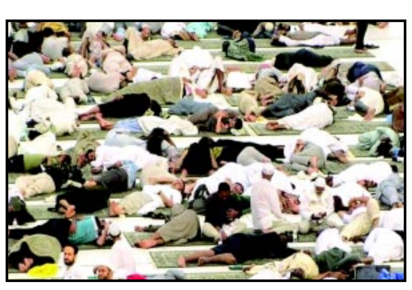

रियाद। सऊदी अरब में हज करने गए हजारों लोगों की मौत के बाद सऊदी सरकार के इंतजामों को लेकर दुनिया भर में सवाल उठ रहे हैं। लोग सऊदी अरब पर हज यात्रियों के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप लगा रहे हैं जिसके बाद अब पहली बार सऊदी सरकार का बयान सामने आया है। सऊदी अरब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हज यात्रा के खाड़ी राज्य के प्रबंधन का बचाव किया। लोगों का आरोप है कि भीषण गर्मी में लोगों की अच्छे से देखभाल नहीं की गई और अब तक विभिन्न देशों से 1,100 से अधिक लोगों की मौत हो गई। मौतों पर सरकार की पहली टिप्पणी आई है। सऊदी अधिकारी ने बताया कि राज्य विफल नहीं हुआ, लेकिन लोगों की ओर से गलत निर्णय लिया गया, जिन्होंने जोखिमों को नहीं समझा। -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में अजीबोगरीब मामला

एक महिला की बहन को उसका पति और मां को ससुर लेकर भागा

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक महिला पुलिस स्टेशन पहुंची। उसने पुलिस से कहा कि साहब मेरी मदद करो। मेरी छोटी बहन को मेरा पति भगा ले गया है और मेरी मां को मेरा ससुर। अब आप ही बताओ मैं कहां जाऊं। पुलिस ने महिला की बातें सुनकर हैरान रह गई। उन्होंने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज करके जांच शुरू की। महिला के पति से बात की तो हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ। मामला सकरा थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाली सुधा कुमारी नामक महिला ने 9 जून को पुलिस को बताया कि मैं फरीदपुर गांव की रहने वाली हूं। 27 जून 2021 को मेरी छोटू नामक युवक से शादी हुई थी। वो भगवानपुर का रहने वाला है। शादी के बाद से मैं और छोटू खुशी से रह रहे थे। हमारी एक बेटी भी हुई। जिसका नाम हमने मिस्टी रखा। वो अभी एक साल की है। इसी बीच मेरी नाबालिग बहन से छोटू की फोन पर बातचीत शुरू हो गई। यह बातचीत कब प्यार में बदल गई, मुझे पता नहीं चला। कुछ दिन से मेरे साथ पति का व्यवहार भी मुझे लेकर बदल गया। मुझ पर तरह-तरह का आरोप लगाने लगा और मुझसे दूर रहने का हर संभव प्रयास करने लगा। सुधा ने कहा कि

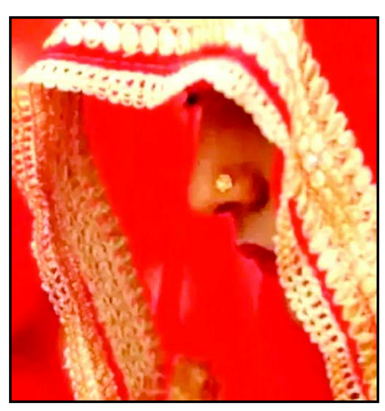

3 जून को छोटू और मेरी छोटी बहन घर से भाग गए। इन दोनों ने मुजफ्फरपुर स्टेशन पर शादी कर ली और दिल्ली चले गए। सुधा के अनुसार, वो इसके बाद मायके आ गई और पूरी घटना मां फूल कुमारी (45) को बताई। 5 जून को फूल कुमारी ने उससे कहा कि मैं इस बारे में तुम्हारे ससुराल जाकर बात करूंगी। सुधा ने कहा कि मां उसे अपने साथ में लेकर नहीं गई। वो मां का इंतजार करती रही। लेकिन मां भी वापस नहीं लौटी। पीड़िता ने कहा कि कुछ दिन बाद पता चला कि मेरी मां, मेरे ससुर बिराजी भगत के साथ गांव से फरार हो गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, **Shanti Dey** D/O Shyamal Dey, aged 28 years, R/o Sonajuri, Dist : Nagaon has changed my name Shanti Dey to **Shanti Alampuria** W/O Nikunj Alampuria R/o Dhing Road Haibargaon, Dist. : Nagaon for all purpose vide affidavit No. IE0018796841 dated 18.05.2024 before Notary, Nagaon.

मंत्री सिंघल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित, कहा-

यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता और खुद के साथ प्रतिस्पर्धा का युग

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के आवास एवं शहरी विकास, सिंचाई आदि मामलों के मंत्री और ढेकियाजुली क्षेत्र के विधायक अशोक सिंघल ने आज ढेकियाजुली के त्रिमूर्ति भवन में आयोजित एक समारोह में निर्वाचन क्षेत्र से हाई स्कूल परीक्षा और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। आज के आयोजन में हाईस्कूल की परीक्षा में निर्वाचन क्षेत्र से डिस्टिंक्शन के साथ न्यूनतम् प्रथम श्रेणी या उससे अधिक से उत्तीर्ण करने वाले 710 विद्यार्थियों तथा हायर सेकेण्डरी अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 346 विद्यार्थियों को बधाई पत्र, एक-एक पुस्तक और एक-एक पौधे देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री सिंघल ने कहा कि छात्र हमारे समाज और देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि वे उचित मार्गदर्शन के साथ खुद को अच्छे नागरिक के रूप में स्थापित करने और विश्वभर में भारत और असम का नाम रौशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान के समुचित उपयोग, दृढ़ता, स्वाध्याय, जिम्मेदारी की भावना, सोशल मीडिया के सीमित एवं उचित उपयोग, चरित्र, अनुशासन आदि का ध्यान रखने तथा *देश पहले* की सोच के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्कूल की तुलना में कॉलेज का उन्मुक्त माहौल कई छात्रों को गलत मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे प्रकृति के नियमों के अनुशासन के अनुरूप आत्म-अनुशासन के साथ खुद को छात्र न भटकाएं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में टेक्नोलॉजी भी हमारी प्रतिद्वंदी बन गई है। यह कहते हुए कि यह स्वयं के साथ प्रतिस्पर्धा करने का समय है, न कि दोस्तों के साथ। उन्होंने छात्रों से प्रौद्योगिकी के उचित उपयोग के साथ खुद को एक मूल्यवान मानव संसाधन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मेधावी छात्र अपने शैक्षणिक जीवन को और अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाकर भविष्य में संसाधनों के रूप में समाज की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में सक्षम होंगे। आज के कार्यक्रम में ढेकियाजुली के विशिष्ट शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता द्वय सचिन बैश्य और बीरेन सैकिया के साथ-साथ कई शैक्षणिक संस्थानों के प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। इसी बीच, मंत्री सिंघल ने आज दोपहर ढेकियाजुली के शिंगरी में पवित्र गुप्तेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया और पुरातत्व विभाग द्वारा की जा रही खुदाई की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने इस प्राचीन मंदिर को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का भी जायजा लिया।

सीआरपीएफ ने मनाया योग दिवस

लखनऊ। सीआरपीएफ लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर मुख्यालय में 21 जून 2024 को पूरे धूमधाम एवं हर्षोल्लास से 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन श्री सतपाल रावत, पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 6 बजे से किया गया तथा श्री सतपाल रावत ने बताया कि फोर्स में हम सभी शारीरिक अभ्यास और पीटी तथा परेड करते हैं और इसके साथ ही निरंतर योग एवं प्राणायाम भी करते हैं। इससे फोर्स में जवानों को तनावमुक्त रहकर निरोगी बने रहने में सहायता मिलती है। फोर्स में योग को अपने नियमित किया-कलाप में शामिल करते हुए इसे अपना जीवन पद्धति बनाया गया है। उन्होंने कहा कि योग हमारे देश की विरासत है जोकि हमारे मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करता है और यह पूरी मानवता के लिए है। आज के इस कार्यक्रम में अधिकारियों एवं जवानों में गजब का उत्साह देखने को मिला। इसे एक उत्सव के रूप में मनाया गया तथा विभिन्न प्रकार के योगासनों का अभ्यास किया गया और यह निश्चय किया गया कि न केवल स्वंय बल्कि अपने परिवारजनों एवं मित्रों तथा समाज को योग से जोड़ेंगें तथा 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के थीम *स्वंय तथा समाज के लिए योग* को अपने जीवन में चरित्रार्थ करने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि इस सेक्टर के अधीन आने वाले यूनिटों एवं विभिन्न कार्यालयों में भी इसे उत्साहपूर्वक मनाने का दिशा-निर्देश दिया गया है तथा आमजन में जागरूकता पैदा करने के लिए बैनर एवं पोस्टरों तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को भी माध्यम बनाया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस आयोजन में ज्ञानेन्द्र कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक, एचके कनौजिया, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक के साथ-साथ सभी राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य रैंक के जवानों ने भाग लिया।

लापता बांग्लादेशी का तीन दिन बाद भी सुराग नहीं

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता के एक होटल से लापता हुए एक बांग्लादेशी नागरिक का तीन दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इलाज के लिए भारत आया बांग्लादेशी व्यक्ति कोलकाता के एक होटल से लापता होने के तीन दिन बाद भी अभी तक नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के पबना जिले के पबना सदर उपजिला के हेमायतपुर निवासी मोहम्मद दिलवर हुसैन (23) को आखिरी बार बुधवार को देखा गया था। उन्होंने बताया कि उसके परिवार ने पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पेपर लीक मामला : एनटीए के शीर्ष अधिकारियों पर जल्द गिरेगी गाज

नई दिल्ली। नीट, यूजीसी-नेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के शीर्ष अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है और उन पर जल्द ही गाज गिर सकती है। शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया कि सरकार छात्रों के हितों की संरक्षक है और उससे किसी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। बिहार में नीट के पेपर लीक होने को अलग-थलग घटना बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके आरोपियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई जारी है, लेकिन पूरी परीक्षा रद्द कर प्रतिभाशाली छात्रों के हितों के नुकसान करना ठीक नहीं होगा। वहीं, उन्होंने यूजीपी-नेट और सीएसआईआर-नेट की रद्द परीक्षाओं को जल्द-से-जल्द कराने का आश्वासन दिया। शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि पेपर लीक मामले में एनटीए की मौजूदा लीडरशीप की भूमिका कई मायने में सवालों के घेरे में हैं। खासतौर पर यूजीसी-नेट की परीक्षा का पेपर डार्क नेट पर पहुंच जाना बहुत ही गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि सीबीआई जैसी पेशेवर जांच एजेंसी को इस मामले की गहराई से जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें एनटीए के अधिकारियों की भूमिका की जांच भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीयत और प्रतिबद्धता छात्रों के हितों के संरक्षण को लेकर स्पष्ट है और इससे किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। छात्रों को नीट परीक्षा पर भरोसा बनाए रखने की अपील करते हुए वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभी तक पेपर लीक का मामला सिर्फ बिहार में सामने आया है और बिहार पुलिस ने इसमें बेहतरीन जांच की है।

कछार में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में भारी मात्रा में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने आज तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर सिलचर थाना क्षेत्र के चालचापरा में एक विशेष अभियान चलाया। एक आटोरिक्शा (एएस 11/3/4513) को रोका गया। गहन तलाशी लेने पर वाहन से 47 साबुन के डिब्बे में भरकर रखी गई 974 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसकी कीमत काले बाजार में पांच करोड़ रुपए है। यह हेरोइन पड़ोसी राज्य मिजोरम की राजधानी आइजोल से लाई जा रही थी। इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान सिरुकुद्दीन लस्कर (24) के रूप में हुई है। उससे पूछताछ की जा रही है।

बिहू से कमाए पैसे को महिला ने चाय के स्टॉल में किया निवेश; सीएम शर्मा बने ग्राहक, ली चाय की चूसकी

गुवाहाटी। असम में एक युवा महिला रिकॉर्ड सेटिंग बिहू प्रदर्शन में कमाए गए पैसे से चाय की दुकान चला रही है। महिला के ग्राहकों में अब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का भी नाम शामिल हो गया है। महिला की पहचान हेमाप्रभा विश्वास के तौर पर की गई है। दरअसल, हेमाप्रभा विश्वास अप्रैल 2023 में गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में बिहू गायन करने वाले कलाकारों में से थीं। 11,298 प्रतिभागियों के साथ सबसे बड़े बिहू नृत्य के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। राज्य सरकार ने इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया था। हेमाप्रभा ने परिवार की आय में मदद करने के लिए इस पैसे का उपयोग नगांव जिले के जाखलाबंदा में एक चार की दुकान खोलने में किया। मुख्यमंत्री समेत स्थानीय लोगों ने हेमप्रभा के इस निर्णय को सराहा। शुक्रवार को हेमाप्रभा के स्टॉल पर जाने के बाद सीएम शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि याद है, मैंने आपको हेमाप्रभा विश्वास के बारे में बताया था? उन्होंने असम सरकार के 2023 विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने वाले बिहू प्रदर्शन में भाग लिया था। एक नौकरी निर्माता बनने के लिए उन्होंने अपने वित्तीय पुरस्कार का निवेश चाय की दुकान खोलने में किया। मैंने आज उनके स्टॉल पर जाकर कड़क चाय की चुसकी ली और शुभकामनाएं दीं। सीएम शर्मा ने स्टॉल का वीडियो भी बनाया। इस दौरान उन्होंने हेमाप्रभा से बात भी की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकमनाएं भी दी।

पृष्ठ एक का शेष

माता के जयकारों ...

गया है। इस दौरान किसी भी वीआईपी को विशेष सुविधा नहीं दी जाएगी। राज्य के पुलिस महानिदेशक ने कहा कि अंबुवासी मेले को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा को तीन श्रेणी में विभक्त किया गया है। मंदिर परिसर की सुरक्षा, मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा इस दौरान यातायात के समुचित प्रबंधन- तीनों की व्यवस्था की गई है। बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी तथा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अंबुवासी मेले के मौके पर कामाख्या गेट से लेकर मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया है। जगह-जगह भक्तों के लिए शरबत, पेयजल, भोजन, जलपान आदि की व्यवस्था की गई है। कई दिन पहले से ही भक्त इस मेले में पहुंच रहे हैं। लोगों के पहुंचने का सिलसिला चार दिनों तक लगातार जारी रहेगा। अंबुवासी मेले के दौरान हर साल यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं। मंदिर बंद रहता है, लेकिन बाहर तंत्र और अघोर क्रिया करने वाले साधकों के लिए ये समय काफी महत्वपूर्ण होता है। इस समय में वे अपनी साधनाएं करते हैं। उल्लेखनीय है कि अंबुवासी एक ऋतु कालीन उत्सव है। पूरे देश से श्रद्धालु इस समय कामाख्या धाम में पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि इस समय साधना से सिद्धि का लाभ होता है। शनिवार को उद्घाटन शिविर के अवसर पर मां कामाख्या पर एक तथ्य चित्र का भी उद्घाटन किया गया। अस्थाई शिविर में करीब 10 -12 हजार से ज्यादा भक्तों की रहने की व्यवस्था की गयी है। पड़ोसी राज्यों से श्रद्धालु गुवाहाटी पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कामाख्या मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। पुराणों के अनुसार माता सती के शव के विभिन्न अंगों से 51 शक्तिपीठों का निर्माण हुआ है। देवी कामाख्या का मंदिर जहां पर स्थित है वह माता सती की योनि का भाग गिरा था। कामाख्या धाम में अंबुवासी मेला माता के रजस्वला के अवसर पर आयोजित किया जाता है।

एंटी पेपर लीक...

करता है जो स्पष्ट रूप से साबित कर सकते हैं कि अपराध उनकी जानकारी के बिना किया गया था और उन्होंने इसे रोकने के लिए अपनी पूरी कोशिश की थी। बता दें कि लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों के साथ 5 मई को आयोजित नीट में प्रश्न पत्र लीक होने के आरोप लगे, खासकर बिहार में। इसके अतिरिक्त, यूजीसी-नेट को इस संदेह के कारण पूरी तरह से रद्द कर दिया गया था कि परीक्षा की अखंडता से समझौता किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, एनटीए ने अपरिहार्य परिस्थितियों और लॉजिस्टिक मुद्दों का हवाला देते हुए शुक्रवार को संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-एनईटी के जून संस्करण को स्थगित करने की घोषणा की। यह परीक्षा जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसरशिप और विज्ञान पाठ्यक्रमों में पीएचडी प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित करती है।

मेरा जीवन असम...

के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में बनाए रखा। इस कार्यक्रम में, पार्टी ने नवनियुक्त केंद्रीय विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री, पबित्र मार्घेरिटा के साथ-साथ पार्टी के सभी नवनिर्वाचित सांसदों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि हम राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें राष्ट्र सर्वोपरि, पार्टी दूसरे स्थान पर और स्वयं अंत में हैं। हमारे गतिशील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें एक नए, आत्मविश्वासी, शक्तिशाली और मजबूत भारत के निर्माण की ओर ले जा रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में मोदी के प्रेरक नेतृत्व में पूर्वोत्तर और असम ने ऐतिहासिक विकास किया। असम में पार्टी को जो जनादेश मिला है, वह लोगों की संतुष्टि का प्रतिबिंब है। केवल भाजपा ने ही इस क्षेत्र की समस्याओं को समझा है और मोदी सरकार के सुशासन के माध्यम से एक नई दिशा निर्धारित की है। भाजपा सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए आशा की किरण है। उन्होंने कहा कि इस पार्टी ने मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता का समर्थन किया है और मैं अपनी पूरी क्षमता से पार्टी की सेवा कर रहा हूं। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने असम से 11 सीटें जीतकर एक रिकॉर्ड बनाया। मैं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भबेश कलिता को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूं। मैं भाजपा और हर सहयोगी कार्यकर्ता का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। हमारे सदस्यों की समर्पित सेवा और संगठनात्मक कौशल ने पार्टी को यह ऐतिहासिक जीत दिलाई है। मैं सभी से इसी टीम असम के दृष्टिकोण के साथ काम करना जारी रखने का आग्रह करता हूं। उनके गतिशील नेतृत्व में पूर्वोत्तर समेत पूरा देश व्यापक विकास का केंद्र बन गया है। सोनोवाल ने कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, 2030 तक शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कई चुनौतियों को पार करते हुए विकास के एक नए युग की शुरुआत की है, शासन में पारदर्शिता और सभी स्तरों पर लोगों को सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने कांग्रेस शासन के दौरान उपेक्षित पूर्वोत्तर का 65 से अधिक बार दौरा किया। इतिहास में किसी भी अन्य प्रधानमंत्री की तुलना में अधिक। हमारी सरकार भी असम और पूर्वोत्तर में स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में अथक प्रयास कर रही है। नरेंद्र मोदी सरकार ने कांग्रेस के दौर में दशकों तक भ्रष्टाचार, शोषण, हिंसा और कुशासन झेलने वाले पूर्वोत्तर में परिवहन और कनेक्टिविटी सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए करोड़ों रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से मोदी ने असम और पूरे पूर्वोत्तर के गौरव को पुनर्जीवित करने के लिए अपने समर्पण के माध्यम से एक अद्वितीय उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर एक विकसित भारत का निर्माण करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करें। सर्वानंद सोनोवाल ने पिछले कुछ महीनों में असम के लोगों से मिले अटूट सहयोग, समर्थन और प्रतिक्रिया के लिए जनता जनार्दन के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने इस अवधि के दौरान पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने में उनकी कड़ी मेहनत, समर्पित सेवा और प्रयासों के लिए भाजपा गठबंधन कार्यकर्ताओं को भी विशेष धन्यवाद् दिया।

मणिपुर की हिंसा ...

और उन्हें जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखने के निर्देश दिए। शर्मा ने जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि असम में शरण लेने वाले मणिपुर के लोगों को सभी मानवीय सहायता प्रदान की जाए। सीएमओ ने कहा कि बैठक में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मणिपुर की सीमा से सटे इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि असम में हिंसा न फैले। पिछले साल मई से मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा से जिरिबाम अब तक अप्रभावित रहा है। इस जिले में मैतेई, मुस्लिम, नागा, कुकी और गैर मणिपुरी लोग रहते हैं। इंफाल घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी जिलों में रहने वाले कुकी के बीच जातीय संघर्ष के चलते 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग बेघर हो गए।

स्कूलों से संबंधित ...

को समयबद्ध तरीके से पूरा करके एक अनुकूल शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग और लोक निर्माण (भवन) विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में सरकार से पर्याप्त धनराशि का आश्वासन दिया।

अररिया के बाद ...

तौर पर नहर में पानी छोड़े जाने पर खंभे धंस गए। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि जब तक इसे बहाल नहीं किया जाता है, तबतक प्रभावित गांवों के निवासियों को यथासंभव कम से कम असुविधा हो। दरौंदा के प्रखंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सूर्य प्रताप सिंह ने कहा कि स्थानीय लोगों का दावा है कि पुल 1991 में महाराजगंज के तत्कालीन विधायक उमा शंकर सिंह के योगदान से बनाया गया था। महाराजगंज अनुमंडल अधिकारी अनिल कुमार ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि 20 फुट लंबी ईंट की यह संरचना विधायक के स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से बनाई गई थी। मामले (पुल ढ़हने की घटना की) की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मंगलवार को अररिया जिले में लगभग 180 मीटर लंबा एक नवनिर्मित पुल ढह गया था, जिसके बाद ग्रामीण कार्य विभाग ने संबंधित कार्यपालक एवं कनीय अभियंता को निलंबित करते हुए मामले की जांच शुरू की थी। इस बीच राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि राज्य में लगातार दो पुल गिर जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, वह चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि जनता समय पर जवाब देगी।

जीएसटी परिषद : रेल...

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैठक के बाद पत्रकार वार्ता कर फैसलों और चर्चा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन्हें दूध का डिब्बा कहा जाता है लेकिन जहां भी इनका उपयोग किया जाएगा वही दर लागू होगी ताकि इससे कोई विवाद न हो। परिषद ने सभी कार्टन बक्सों और नालीदार तथा गैर-नालीदार कागज या पेपर बोर्ड दोनों के मामलों पर 12 प्रतिशत की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की। इससे विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों को मदद मिलेगी। जीएसटी परिषद ने सभी सोलर कुकर पर 12 प्रतिशत जीएसटी दर की सिफारिश की है चाहे उसमें एकल या दोहरा ऊर्जा स्रोत हो। जीएसटी परिषद ने शैक्षणिक संस्थानों के बाहर छात्रावास आवास के माध्यम से प्रति व्यक्ति 20,000 रुपए तक की सेवाओं को छूट दी है। शर्त है कि इन आवास में कम से कम 90 दिन की रिहाइश हो। भारतीय रेलवे द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं जैसे प्लेटफॉर्म टिकट को जीएसटी से छूट दी गई है। इसमें प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री, रिटायरिंग रूम की सुविधा, वेटिंग रूम, क्लॉकरूम सेवाएं, बैटरी चालित कार सेवा शामिल है। इसके अलावा इंट्रा-रेलवे आपूर्ति को भी छूट दी जाएगी। एक प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी के दायरे में आएं। यह अब राज्यों पर है कि वे इस बारे में मिलकर निर्णय लें। वित्त मंत्री ने बताया कि छोटे करदाताओं की मदद के लिए परिषद ने जीएसटीआर 4 फॉर्म में विवरण और रिटर्न भरने की समय सीमा 30 अप्रैल से बढ़ाकर 30 जून किए जाने की सिफारिश की है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के बाद के रिटर्न पर लागू होगा। परिषद ने जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी किए गए मांग नोटिसों के लिए ब्याज और जुर्माने को माफ करने की सिफारिश की है। इसमें धोखाधड़ी, दमन या गलत विवरण से जुड़े मामले शामिल नहीं हैं। वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए धारा 73 के तहत जारी किए गए सभी नोटिसों के लिए परिषद ने ब्याज और जुर्माना माफ करने की सिफारिश की है। मंत्री ने बताया कि सीजीएसटी अधिनियम की धारा 16(4) के तहत वित्तीय वर्ष 17-18, 18-19, 19-20 और 20-21 के लिए 30-11-2021 तक दायर किसी भी चालान या डेबिट नोट के संबंध में इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने की समय सीमा को 2011 से 2021 माना जा सकता है। 01 जुलाई 2017 से पूर्वव्यापी प्रभाव से उसी अपेक्षित संशोधन के लिए परिषद ने एक सिफारिश की है। वित्त मंत्री ने जानकारी दी कि अखिल भारतीय आधार पर बायोमेट्रिक-आधारित आधार प्रमाणीकरण शुरू होने जा रहा है। इससे हमें मामलों में फर्जी चालान के माध्यम से किए गए धोखाधड़ी वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों से निपटने में मदद मिलेगी। सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए परिषद ने विभाग द्वारा अपील दायर करने के लिए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपए, उच्च न्यायालय के लिए 01 करोड़ रुपए और उच्चतम न्यायालय के लिए 02 करोड़ रुपए की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की है। परिषद ने यह भी सिफारिश की है कि अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि 25 करोड़ रुपए सीजीएसटी और एसजीएसटी से घटाकर 20 करोड़ रुपए कर दी जाएगी। सीतारमण ने बताया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दर युक्तिकरण के जीओएम का अध्यक्ष बनाया गया है। अगली बैठक में सम्राट चौधरी रेट रेशनलाइजेशन के लिए किये गये काम पर यथास्थिति रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके बाद हम स्टार्ट रेट रेशनलाइजेशन पर काम शुरू करेंगे।

कल्लाकुरिची में जहरीली ...

आर्थिक सहायता देने का एलान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कल्लाकुरिची शराब त्रासदी में अपने माता-पिता में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चों की पूरी शिक्षा और छात्रावास का खर्च उठाएगी। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 जून को कल्लाकुरिची में हुई घटना *दर्दनाक* थी।

सऊदी ने हज ...

आधिकारिक बयानों और रिपोर्टों को आधार पर 1126 मृतकों में से आधे से अधिक लोग मिस्र से थे। सऊदी अरब के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सऊदी सरकार ने हज के दो सबसे व्यस्त दिनों में 577 मौतों की पुष्टि की है जिसमें शनिवार को अधिक मौत हुईं। उस दिन तीर्थयात्री माउंट अराफात पर तपती धूप में घंटों प्रार्थना करने के लिए एकत्र हुए थे, और दूसरा दिन रविवार को था जब मीना में *शैतान को पत्थर मारने* की रस्म हो रही थी। सऊदी अधिकारियों ने पहले कहा था कि इस साल 18 लाख तीर्थयात्रियों ने भाग लिया, जो पिछले साल के समान ही है। इनमें 16 लाख जायरीन विदेश से आए थे। अधिकारी ने यह स्वीकार किया कि 577 का आंकड़ा आंशिक है और पूरे हज यात्रा के दिनों को कवर नहीं करता। उन्होंने कहा कि यह कठिन मौसम की स्थिति और भीषण तापमान के कारण हुआ। अधिकारी ने बताया कि हज करने का कोटा देशों के आधार पर बांटा जाता है। लॉटरी के जरिए इन्हें वितरित किया जाता है। परमिट होने के बावजूद कई ऐसे लोग हैं जो बिना परमिट हज यात्रा करने की कोशिश करते हैं। उन्हें गिरफ्तारी या निर्वासन का सामना करना पड़ता है। लोग पैसा बचाने के लिए गलत तरीके से हज करने आते हैं, जिनका रिकार्ड कोई सरकार के पास नहीं होता है। अधिकारी ने जायरीनों का कच्चा चिट्ठा खोलते हुए बताया कि बहुत सारे लोग पैसे बचाने के चक्कर में गलत रास्ते से देश में घुस आते हैं, जिससे उनके हजारों डॉलर बच जाते हैं। इनका भी रिकॉर्ड मुश्किल से मिलता है। जबसे सऊदी अरब ने सामान्य पर्यटन वीजा पेश किया, जिससे खाड़ी राज्य में प्रवेश करना आसान हो गया है। इस साल के हज से पहले सऊदी अधिकारियों ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी हजारों ऐसे यात्री हैं जो बिना वीजा के हज के लिए मक्का गए हैं। पैसे की कमी के चलते कई यात्री वीजा नहीं बनाते हैं और गलत तरीके से मक्का पहुंचने की कोशिश करते हैं। हालांकि ऐसा करना काफी खतरनाक माना जाता है। छुप-छुप कर मक्का पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी धूप वाले इलाके से गुजरना पड़ता है जिसमें कई लोगों की जान चली जाती है। अधिकारी ने कहा कि अनुमान के मुताबिक 4 लाख अपंजीकृत तीर्थयात्रियों के होने का अनुमान है। अधिकारी ने मिस्र की ओर इशारा करते हुए कहा कि लगभग सभी एक ही राष्ट्रीयता वाले हैं।

एक महिला की ...

वो दोनों भी दिल्ली में रह रहे हैं। न तो अब मां मेरा फोन उठा रही है और न ही कोई और मुझसे बात कर रहा है। साहब आप मेरी मदद करो। मैं छोटी बच्ची को लेकर दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर हो गई हूं। सुधा ने फिर पुलिस में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने जांच शुरू की तो छोटू से उनकी बात हुई। इसके बाद छोटू ने जो कुछ भी पुलिस को बताया उससे सभी के होश उड़ गए। छोटू ने कहा कि मेरी सास ने ही मेरी शादी साली से करवाई है। उन्होंने कहा था कि इसके बदले वो मुझे कार और पैसा देंगी। मैं तो दोनों पत्नियों के साथ रहना चाहता हूं। पुलिस अब इस मामले में कार्रवाई कर रही है। देखना ये होगा कि आगे इस मामले में क्या होता है।

राज्य में आज भारी ...

ग्वालपाड़ा, शोणितपुर और विश्वनाथ। इसके अलावा, लखीमपुर, धेमाजी, कार्बी आंग्लांग, गोलाघाट, डिमा हसाउ और कछार के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 23 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को आवश्यक सावधानी बरतने तथा मौसम विभाग से प्राप्त नवीनतम जानकारी के बारे में अवगत रहने की सलाह दी जाती है।

नीट परीक्षा में हुई धांधली के आरोप में केंद्रीय और प्रदेश शिक्षा मंत्री के फूंके पुतले

मोरीगांव/रंगिया (हिंस)। *नीट* परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में असम छात्र संघ (आसू) के कार्यकर्ताओं ने आज मोरीगांव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू का पुतला जलाया। इस दौरान हाल ही में आयोजित नीट और नेट परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर हुई विसंगतियों के विरोध में नारे लगाए गए। छात्रों ने स्कूलों और कॉलेजों में नामांकन नहीं होने के विरोध में असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू के विरुद्ध की आरोप लगाए। मोरीगांव जिला छात्र संघ की ओर से आयोजित इस विरोध प्रदर्शन के दौरान जिला छात्र संघ कार्यालय से निकाली गई रैली में जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए गए। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार अखिल असम छात्र संस्था के आह्वान पर अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था द्वारा आज एक विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम किया गया। इस दौरान संस्था के कार्यकर्ताओं ने रंगिया के हाईवे चौक पर एकत्र होकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू का पुतला जलाकर

विरोध जताया। उन्होंने कहा कि नीट और नेट परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं और समर्थ पोर्टल के माध्यम से असम में कॉलेज प्रवेश में व्यापक अनियमितताओं के खिलाफ उन्होंने यह विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने असम सरकार हाय हाय, केंद्र सरकार हाय हाय, शिक्षा मंत्री हाय हाय जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम में उपस्थित अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के महासचिव तौफिकुर रहमान ने कहा कि ह्श्वश्वञ्ज और ह्श्वञ्ज परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री पूरी तरह से जिम्मेदार हैं और सरकार शैक्षणिक माध्यम को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इस अनियमितता में शामिल दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाये। इस मौके पर उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने की। कहा कि असम में समर्थ पोर्टल के माध्यम से कॉलेज प्रवेश में अनियमितताओं को दूर करने और छात्रों को राहत देने की भी आवश्यकता है। इसके अलावा असम सरकार से मांग की कि वह जल्द से जल्द शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार को रोके। अन्यथा छात्र संघ और उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। विरोध-प्रदर्शन कार्यक्रम में अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के कार्यालय सचिव बुबुल अली, कार्यकारी सदस्य श्यामंत कलिता, सांगठनिक सचिव मुस्ताक अहमद, रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष मृण्मय कुमार डेका, महासचिव नव ज्योति कुमार शामिल थे।

चोरी के 24 घंटे के अंदर कैमरा बरामद दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के चांदमारी पुलिस ने कैमरा चोरी मामले की गुत्थी को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया चांदमारी पुलिस थाने की एक टीम ने चांदमारी फ्लाईओवर के पास से लेंस सहित एक डीएसएलआर कैमरा बरामद किया। जिसकी कीमत छह लाख रुपए बताए गए हैं। पंजाबारी स्थित मंजुश्री अपार्टमेंट से सामान चोरी होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अभियान चला कर कैमरा समेत दो चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार चोरों की पहचान पथरीघाट के तफीकुल इस्लाम (20) और सिपाझार के अतीकू इकबाल (24) के रूप में की गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी आधार पर गिरफ्तार दोनों चोरों से पूछताछ कर रही है।

आदाबारी फल विक्रेता संघ ने श्रद्धालुओं के लिए की भोजन की व्यवस्था

गुवाहाटी (विभास)। आदाबारी फल विक्रेता संघ गत 12 साल से अंबुबासी मेले में श्रद्धालुओं के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था करता आ रहा है। इस वर्ष भी कामाख्या रेल स्टेशन के पास सुबह 5 से रात 10 बजे तक भोजन और पानी की व्यवस्था की। समिति के अध्यक्ष मुन्ना चौहान ने बताया कि 21 तारीख को शुरू हुए इस शिविर को 26 तारीख को समापन किया जाएगा। इसमें सुबह 5 से रात 10 बजे तक 3 हजार से भी अधिक श्रद्धालु इसका लाभ उठाते हैं। शिविर को सफल बनाने में संघ के चंपक शाह, सचिव अफजल अली, कोषाध्यक्ष रमेश प्रसाद शाह के अलावा कई सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग दे रहे हैं।

मंगलदै में टूटे तटबंध का मंत्री पीयूष ने किया निरीक्षण

दरंग (हिंस)। राज्य के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को मंगलदै क्षेत्र के जनरामचौका में शाकतूला नदी के टूटी हुए बांध का निरीक्षण किया। मंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए इलाके में कई स्थानों का दौरा भी किया। इस दौरान मंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि शाकतूला के टूटे हुए तटबंध के पुनर्निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार की रात यह तटबंध टूट गया था। नतीजतन कई गांव बाढ़ में डूब गए। गांवों में अब पानी कम हो रहा है, क्योंकि जल संसाधन विभाग ने तुरंत इस टूटे हुए हिस्से को फिर से बनाया है। क्षेत्र का दौरा करने के दौरान मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि असम में बाढ़ अब नियंत्रण में है। मंत्री हजारिका ने कहा

कि नदी के बीच से अवैध रेत खनन बांध टूटने का मुख्य कारण है। मंत्री हजारिका ने जिला आयुक्त और जल संसाधन विभाग के अभियंता को बांध की मरम्मत के संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जीएमसीएच पहुंचे मुख्यमंत्री, अधिकारियों के साथ की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आज गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मेडिकल कॉलेजों और अस्पताल से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बाद में अस्पताल के सभागार में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में मरने वाले व्यक्ति के परिजनों की इच्छा के अनुसार शरीर दान करने वाले व्यक्ति की किडनी एकत्र करने

और दो रोगियों के शरीर में प्रत्यारोपण करने की सफलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यहां आईवीएफ सेंटर में बच्चे पैदा करके नि:संतान दंपति अपने चेहरे पर मुस्कान लाने में सक्षम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने इस सफलता में शामिल डॉक्टरों और कर्मचारियों की सराहना की।

ड्रग्स समेत महिला गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस ने ड्रग्स समेत एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार की सुबह गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 50 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 65.84 ग्राम हेरोइन समेत एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सोकितन बेगम के रूप में की गई है।

नगांव में वन विभाग की टीम के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध मछुआरों की मौत

नगांव (हिंस)। लाओखोवा अभयारण्य में वन विभाग की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाले दो लोगों की गोलीबारी में मौत हो गई। अभयारण्य के सराइहागी वन शिविर क्षेत्र में उनके साथ वन विभाग की टीम का आमना-सामना हुआ था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक दोनों मृतक रिश्ते में भाई थे, जिनकी पहचान जलीलुद्दीन और समीर उद्दीन के रूप में हुई है। दोनों रोमारी बील (झील) में अवैध रूप से मछली पकड़ने गए थे। मृतक जुरिया के धिंगबारी चापरी गांव के निवासी थे। दोनों के शव शनिवार तड़के पोस्टमार्टम के लिए नगांव सिविल अस्पताल भेजा गया है। एहतियात के तौर पर मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस, वनकर्मियों तथा जवानों को तैनात किया गया है।

ढेकियाजुली में हुआ अभाविप के प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में शहीद नगरी कही जाने वाली ढेकियाजुली में 22 से 25 जून तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का प्रशिक्षण शिविर का आयोजित किया जा रहा है। अभाविप की लगातार बढ़ती संगठनात्मक गतिविधियों के मद्देनजर दो चरणों में होने वाले इस प्रशिक्षण शिविर का पहला शिविर आज से ढेकियाजुली में आयोजित किया जा रहा है। साथ

ही दूसरा चरण 1 से 4 जुलाई तक बंगाईगांव में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को विद्यार्थी परिषद की कार्यप्रणाली और आदर्शों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। एक वैचारिक छात्र निकाय के रूप में अभाविप के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए परिषद के कार्यकर्ताओं के लिए हर साल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। इस प्रशिक्षण शिविर के चार दिनों के दौरान, कार्यकर्ताओं को अभाविप की गतिविधियों, संगठन के इतिहास और भविष्य के समय में संगठन को कैसे आगे ले जाना है, इस पर प्रशिक्षित किया जाएगा। आज के प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री कमल नयन, अभाविप के पूर्व कार्यकर्ता एवं वर्तमान असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल, अभाविप असम प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष रॉबिन काकति, प्रांत मंत्री हेरोल्ड मोहन एवं प्रांत संगठन मंत्री अनूप कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्री हरी सेवा समिति ने श्रद्धालुओं के लिए लगाया भंडारा

गुवाहाटी (विभास)। कामाख्या रेल स्टेशन के नंबर एक प्लेटफार्म के पास श्री हरी सेवा समिति ने 22 जून से 26 जून तक तीनों समय के नाश्ते और भोजन सहित श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया। समिति के मनोज रॉय ने बताया कि यह कार्यक्रम गत 15 वर्षों से निरंतर चला आ रहा है। शिविर में रोज तीन हजार से अधिक श्रद्धालु इसका लाभ उठा रहे हैं। शिविर में संजय शर्मा, मनोज गुप्ता, त्रिलोक गोयल के अलावा कई सदस्यों ने उपस्थित रहकर अपना सहयोग दे रहे हैं

बाघमाराचर सहकारी समिति में चावल वितरण पर भ्रष्टाचार का आरोप

नगरबेड़ा (विभास)। आपूर्ति मंत्री रंजीत दास के गृह जिले बरपेटा की सहकारी समितियों ने सस्ते चावल के वितरण के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की अनियमितताएं की हैं। राज्य के मुख्यमंत्री ने खुद चेतावनी दी है कि गरीब लाभार्थियों को 100 ग्राम चावल कम नहीं दिया जा सकता है, लेकिन आपूर्ति मंत्री के गृह जिले में ऐसे गरीब लोगों को सस्ते चावल के वितरण के नाम पर आपूर्ति विभाग द्वारा मूक भूमिका निभाने के बारे में एक रहस्य है। हाल ही में जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाघमाराचर की सहकारी समिति के एजेंट और संपादक भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से तंग आ चुके हैं। यह रहस्य बन गया है कि सहकारी समिति के सचिव रिपन अली सरकार द्वारा मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों का पालन करने के बजाय अपनी मर्जी और मनमानी के अनुसार एक बड़ा घोटाला करने के बाद भी आपूर्ति विभाग सहकारी समिति पर शिकंजा नहीं कस पाया है। सहकारी समिति के प्रत्येक उपभोक्ता को शासन के नियमानुसार पांच किलो चावल तथा उपभोक्ताओं को 4 किलो 500 ग्राम चावल दिया जाता है। यानी वे अवैध रूप से प्रत्येक उपभोक्ता

से 500 ग्राम चावल काट रहे हैं और गरीब उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं। हर ग्राहक से 500 ग्राम चावल काटकर एक महीने में कितना भ्रष्टाचार होता है, यह जानकर आपकी आंखें ऊपर उठ जाएंगी। हमारे पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बाघमाराचर सहकारी समिति के तहत खाद्य सुरक्षा अधिनियम की योजना में 11,480 राशन कार्डों पर कुल ग्राहकों की संख्या 45,682 है। इसके अलावा, कुल 985 अंत्योदय योजना राशन कार्डों के मुकाबले सहकारी समितियों की कुल आबादी 3,178 है। खाद्य सुरक्षा योजना के प्रत्येक ग्राहक से 500 ग्राम चावल काटने पर लगभग 229 क्विंटल चावल मिलता है। इसके अलावा हर अंत्योदय राशन कार्ड ग्राहक को 35 किलो की जगह 30 किलो चावल दिया जाता है। यानी ऐसे ग्राहकों से एक महीने में करीब 50 क्विंटल चावल कट जाता है। इस प्रकार खाद्य सुरक्षा और अंत्योदय राशन कार्ड वाले ग्राहकों से एक महीने में लगभग 279 क्विंटल सस्ता मुफ्त चावल काटा जाता है। सहकारी समिति के कुछ अभिकर्ताओं के अनुसार सहकारी समिति के सचिव द्वारा प्रत्येक एजेंट की उचित मूल्य की दुकान पर एजेंटों की आपूर्ति की जानी होती है, लेकिन सचिव रिपन अली सरकार सरकारी नियमों को ताक तोड़ पेश कर शिमलिटोला पारघाट के पास जलजोली नदी के घाटों से ही एजेंटों को चावल की आपूर्ति करते हैं। चावल की आपूर्ति करते समय, संपादक रिपन अली सरकार एजेंटों से प्रति ग्राहक 200 ग्राम चावल काटते हैं। इसके अलावा, एजेंटों को अपनी पॉकेट मनी की कीमत पर ग्राहक के चावल घर ले जाने के लिए मजबूर किया जाता है। कुल मिलाकर बाघमाराचर की सहकारी समिति के सचिव रिपन अली सरकार के भ्रष्टाचार के कारण हर ग्राहक को प्रति माह 500 ग्राम चावल कम मिल रहा है।

रंगिया : खेत से शव बरामद, सनसनी

रंगिया (निसं)। रंगिया सदर थाना अंतर्गत के कत्राखाट में पानी में एक शव पड़ा मिला। शव अर्धगलित अवस्था में धूही-केंदुकोना अंचल को जोड़ने वाली सड़क के किनारे खेत के पानी में मिला। शव की समाचार लिखे जाने तक पहचान नहीं हो पाई है। मौके पर मौजूद पुलिस ने शव का पंचनामा कर अंत्यपरिक्षण हेतु प्रेषित किया गया। घटना को लेकर इलाके में काफी तनाव है। कुछ महीने पहले भी इसी तरह की घटना हुई थी और असम पुलिस के ड्यूटी पर तैनात एक जवान की मौत हो गई थी। (नि सं)

तेरापंथ धर्मस्थल में मना 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गुवाहाटी। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर शुक्रवार को प्रात: 6.15 से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा निर्देशित योग एवं प्रेक्षा ध्यान शिविर का आयोजन प्रेक्षा वाहिनी, गुवाहाटी के सहयोग से श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, अणुव्रत समिति द्वारा किया गया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा ने अपने संबोधन में सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात स्थानीय प्रेक्षा वाहिनी की श्रीमती बबीता पटवा, श्रीमती शांति गुलगुलिया, श्रीमती लीला छाजेड़, श्रीमती कविता बांठिया, श्रीमती सरिता दुधोड़िया, श्रीमती कांता बच्छावत ने योगाभ्यास, आसन प्राणायाम तथा प्रेक्षाध्यान एवं यौगिक क्रियाएं कार्रवाई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेक्षाध्यान गीत से हुआ। इस अवसर पर तेयुप के अध्यक्ष सतीश भादानी, अणुव्रत समिति अध्यक्ष बजरंग बैद के साथ सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सभा के वरिष्ठ सह मंत्री राकेश जैन ने किया।

रंगिया के श्री श्री जगन्नाथ एवं बूढ़ागोसाई थान में स्नान यात्रा कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। श्री श्री जगन्नाथ रथयात्रा के पूर्व शनिवार को देव स्नान पूर्णिमा पर रंगिया के पूब सितारा स्थित श्री श्री जगन्नाथ एवं बूढ़ागोसाई थान में विराजमान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को सहस्त्रधारा स्नान कराया गया। वहीं इसके पूर्व मंत्रोच्चार और घंटा, ढोल, बिगुल और झांझ की ध्वनि के साथ तीनों देवी देवताओं को भक्तों द्वारा स्नान वेदी तक लाया गया और मंत्रोच्चार के साथ तीनों देवी देवताओं को स्नान कराया गया। बताया गया है कि आगामी रथयात्रा से पहले यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया मानी जाती है। श्री श्री जगन्नाथ एवं बूढ़ागोसाई थान संचालन समिति के अध्यक्ष जोगेश्वर कलिता, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रदीप कलिता, सचिव प्रणव कलिता सहित दिनेश कलिता द्वारा बताया गया है कि इसवर्ष मंदिर प्रांगण श्री श्री

जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का द्वितीय वार्षिक आयोजन भव्य कार्यक्रमों के साथ किया गया है। महोत्सव आगामी 7 जुलाई से शुरू होकर 19 जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत 7 जुलाई को रथयात्रा, 11 जुलाई को हेरा पंचमी, 15 जुलाई को वापसी यात्रा सहित 17 जुलाई को सोना बेज, 18 जुलाई को अर्धपना और 19 जुलाई को प्राण प्रतिष्ठा व मंदिर में प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज के कार्यक्रम के पूर्व शुक्रवार को जल आनयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 108 महिलाओं द्वारा रंगिया तिनाली स्थित पोदुम पुखुरी से कलश में पवित्र जल भरकर मंदिर में लाया गया। समिति द्वारा रथयात्रा के सभी कार्यक्रमों में सभी भक्तों के उपस्थिति की कामना की गई है।

नगांव में राउंड टेबल 380 नामक नया संगठन स्थापित

नगांव (निसं)। शहर में एक नए संगठन की स्थापना गत दिनों क्लब निर्वाणा सोनापुर में हुई। इस अवसर पर आयोजित एक समारोह में समग्र देश से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। स्थापित नए संगठन का नाम है राउंड टेबल 380। इस समारोह की अध्यक्षता टेबलर रोबीन अग्रवाला ने की। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष टेबलर विष्णु प्रभाकर, एरिया चैयरमैन टेबलर पंकज अग्रवाल, एरिया सचिव व कोषाध्यक्ष टेबलर पंकज बंसल, एरिया उपाध्यक्ष टेबलर राहुल सिंघानिया, तत्कालीन पूर्व एरिया चैयरमैन टेबलर वैभव जलान, नेशनल एक्सटेंशन संयोजक टेबलर अक्षय अग्रवाल सहित देश के अन्य भागो से आए हुए प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। नगांव में स्थापित हुई राउंड टेबल 380 के नवनियुक्त अध्यक्ष का

दायित्व टेबलर अंशुल लोहिया, उपाध्यक्ष टेबलर मंयक गोयनका, सचिव टेबलर योगेश वर्मा, कोषाध्यक्ष टेबलर रिषभ सेठीया को दिया गया है। नगांव में स्थापित संगठन को एलएमएफ टेबलर सीए अंकित अग्रवाला, टेबलर आशीष सोनी के नेतृत्व में एलएमएफ गुवाहाटी मेट्रो राउंड टेबल 320 और तेजपुर राउंड टेबल 351 ने प्रायोजित किया। नगांव राउंड टेबल 380 में फिलहाल कुल सत्रह (17) सदस्य समाहित किए गए है और इन्होंने अपने भावी योजना का खुलासा करते हुए बताया कि वे फ्रीडम थ्रू एजुकेशन स्कुल प्रोजेक्ट के अतिरिक्त गो ग्रीन इनिसिटिभ व समाजसेव के साथ अपनी भावी योजनाओ को पूर्ण करेंगें। इस आशय की जानकारी टेबलर हर्षित अजितसरिया ने दी।

संपादकीय

लानत है यह जल संकट

यह दुर्भाग्य, विडंबना और शर्मनाक लानत है कि देश की राजधानी दिल्ली में आम आदमी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। पानी के लिए वह भगदड़ और हाथापाई का हिस्सा बनने को तैयार है। गंदा और प्रदूषित पानी लेने को भी तैयार है। पानी किसी की बपौती नहीं है, वह राष्ट्रीय संसाधन है, जो जिंदगी के लिए सांस सरीखा ही है। जो सरकार घर-घर 'नल में जल' की हुंकारें भरती नहीं थकती, वह प्रधानमंत्री मोदी के ही नेतृत्व में दिल्ली में मौजूद है। देश के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के महलनुमा आवास भी दिल्ली में ही हैं। देश की संसद भी राजधानी से ही संचालित होती है। हालांकि उनकी दुनिया 'अति विशिष्ट' है और पानी का कोई संकट नहीं है, लेकिन जो 28 लाख दिल्लीवाले पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, उनकी पीड़ा, उनका सूखापन तो उन सभी को दिखता ही होगा! देश की सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही हैं और जल-संकट और पानी की सियासत का मुद्दा उनकी अदालत में भी पहुंचा था, लेकिन न्याय क्यों नहीं दिया गया? यदि कोई अवमानना की गई है, तो उस पक्ष को तुरंत अदालत में तलब क्यों नहीं किया गया? बेशक पानी का संकट देश के माननीय न्यायाधीशों के लिए नहीं है, लेकिन आम आदमी तो संकट में है। उसे इंसाफ कौन देगा? एक तरफ 'आम आदमी पार्टी' (आप) की सरकार है। मुख्यमंत्री केजरीवाल जेल में हैं। दूसरी तरफ भाजपा सरकार है। यही तो लोकतंत्र है, लेकिन दोनों पक्षों की सियासत के बीच आम दिल्लीवाला क्यों पिस रहा है? दरअसल यह राजधानी दिल्ली की सनातन समस्या है। प्रधानमंत्री मोदी बीते 10 सालों से इसे देख-महसूस कर रहे होंगे! पानी के लिए भागमदौड़ उस देश की राजधानी का निरंतर दृश्य है, जो विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत की प्रतिष्ठा और छवि दांव पर हैं। ऐसे निरंतर दृश्य तो हमने किसी गरीब और पिछड़े देश तक में नहीं देखे। केंद्र सरकार को हस्तक्षेप क्यों नहीं करना चाहिए? हम आंकड़ों और दावों की बाजीगरी में उलझना नहीं चाहते कि दिल्ली के हक का पानी कितना है? हरियाणा कितना पानी नहरों के जरिए दिल्ली को सप्लाई करता है? अंतरराज्यीय जल वितरण समझौते का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं? ये सवाल केंद्र सरकार और सर्वोच्च अदालत के बुनियादी सरोकार होने चाहिए। यदि दो राज्यों के बीच ऐसे विवाद हैं, तो अदालत को उन्हें अविलंब हल करना चाहिए। शीर्ष अदालत की और क्या भूमिका हो सकती है? दिल्ली का नंगा यथार्थ यह है कि कुछ निश्चित इलाकों में, झुग्गी-झोपडियों के आसपास और अनधिकृत बस्तियों में हमने साल-दर-साल पानी के टैंकर खड़े देखे हैं। पानी के लिए हमने मार-पिटाई होते भी देखा है। भविष्य में पानी पर ही विश्व-युद्ध हो सकता है, किसी विशेषज्ञ की ऐसी भविष्यवाणी को कैसे नकारा जा सकता है? बस्तियों के ये कुकुरमुत्ते सरकारों और राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी स्वार्थ के मद्देनजर पैदा किए हैं। तो अब उन्हें पानी, बिजली, अन्य संसाधन भी मुहैया कराओ। टैंकरों से ही जाहिर है कि पानी का संकट अनवरत रहा है। इस पर न तो कांग्रेस और न ही भाजपा की सरकारों ने ध्यान दिया। घरेलू नलों के जरिए पानी की आपूर्ति पर्याप्त नहीं होगी, तो गली-गली टैंकर भेजने पड़ते हैं। अब पराकाष्ठा की स्थिति आ गई है, जब केजरीवाल सरकार की जल मंत्री आतिशी ने 21 जून से 'अनिश्चितकालीन अनशन' की घोषणा की है। बेशक यह मजबूरी का प्रयास है, क्योंकि सभी स्तरों की बातचीत निष्फल रही है। अंततः आतिशी ने प्रधानमंत्री मोदी को हस्तक्षेप करने और दिल्ली को उसके हक का पानी दिलाने का विनम्र आग्रह का पत्र लिखा है। यदि प्रधानमंत्री भी कुछ नहीं कर पाए, तो आतिशी अनशन को विवश होंगी। यह भी लोकतंत्र पर आघात होगा। संभव है कि आतिशी झूठे दावे कर रही होंगी, लेकिन प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करना चाहिए और पानी का समुचित वितरण कराना चाहिए। बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच पानी की आपूर्ति से जुड़े मसलों को केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधीन कर देना चाहिए।

पानी के लिए वह भगदड़ और हाथापाई का हिस्सा बनने को तैयार है। गंदा और प्रदूषित पानी लेने को भी तैयार है। पानी किसी की बपौती नहीं है, वह राष्ट्रीय संसाधन है, जो जिंदगी के लिए सांस सरीखा ही है। जो सरकार घर-घर 'नल में जल' की हुंकारें भरती नहीं थकती, वह प्रधानमंत्री मोदी के ही नेतृत्व में दिल्ली में मौजूद है। देश के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के महलनुमा आवास भी दिल्ली में ही हैं। देश की संसद भी राजधानी से ही संचालित होती है। हालांकि उनकी दुनिया 'अति विशिष्ट' है और पानी का कोई संकट नहीं है, लेकिन जो 28 लाख दिल्लीवाले पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, उनकी पीड़ा, उनका सूखापन तो उन सभी को दिखता ही होगा! देश की सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही हैं और जल-संकट और पानी की सियासत का मुद्दा उनकी अदालत में भी पहुंचा था, लेकिन न्याय क्यों नहीं दिया गया? यदि कोई अवमानना की गई है, तो उस पक्ष को तुरंत अदालत में तलब क्यों नहीं किया गया? बेशक पानी का संकट देश के माननीय न्यायाधीशों के लिए नहीं है, लेकिन आम आदमी तो संकट में है। उसे इंसाफ कौन देगा? एक तरफ 'आम आदमी पार्टी' (आप) की सरकार है।

प्रधानमंत्री के पद से त्यागपत्र देने की बजाय देश में आंतरिक आपात स्थिति की घोषणा कर दी

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

संविधान के प्रमुख प्रावधान स्थगित कर दिए और लाखों लोगों को जेल में डाल दिया। कांग्रेस के उस समय के अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने तो देश में घूम-घूम कर प्रचार करना शुरू कर दिया था कि 'इंदिरा ही भारत है और भारत ही इंदिरा है'। जब कांग्रेस को विश्वास हो गया कि पूरा देश पूरी तरह उसके शिकंजे में फंस गया है तो सरकार ने लोकसभा चुनावों की घोषणा कर दी। देश में लोकतंत्र के अस्तित्व को ही खतरे में देख देश के चार प्रमुख राजनीतिक दलों ने विलय कर जनता पार्टी के नाम से नए दल की स्थापना की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भारतीय जनता पार्टी से क्या संबंध है, यह प्रश्न 1950 के बाद से ही उठता बैठता रहा है। जून 1975 में जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक निर्णय ने इंदिरा गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त कर दी, तब उसने प्रधानमंत्री के पद से त्यागपत्र देने की बजाय देश में आंतरिक आपात स्थिति की घोषणा कर दी। संविधान के प्रमुख प्रावधान स्थगित कर दिए और लाखों लोगों को जेल में डाल दिया। कांग्रेस के उस समय के अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने तो देश में घूम-घूम कर प्रचार करना शुरू कर दिया था कि 'इंदिरा ही भारत है और भारत ही इंदिरा है'। जब कांग्रेस को विश्वास हो गया कि पूरा देश पूरी तरह उसके शिकंजे में फंस गया है तो सरकार ने लोकसभा चुनावों की घोषणा कर दी। देश में लोकतंत्र के अस्तित्व को ही खतरे में देख देश के चार प्रमुख राजनीतिक दलों ने विलय कर जनता पार्टी के नाम से नए दल की स्थापना की। नए दल में भारतीय जनसंघ और समाजवादी पार्टी भी शामिल थीं। चुनाव में कांग्रेस पराजित हो गई और जनता पार्टी जीत गई। भारतीय जनसंघ में बहुत से ऐसे लोग भी थे जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक थे। समाजवादी पार्टी के लोगों ने मांग करनी शुरू कर दी कि ऐसे लोग जनता पार्टी के सदस्य तभी रह सकते हैं यदि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सदस्यता से त्यागपत्र दें। इसे उन्होंने तथाकथित दोहरी सदस्यता का मामला बताया। जनसंघ के वे लोग जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक थे, का कहना था कि संघ कोई राजनीतिक दल नहीं है और न ही उसकी सदस्यता के लिए आवेदन करना पड़ता है। दरअसल संघ में सदस्यता की वह अवधारणा है ही नहीं, जिस प्रकार की अवधारणा राजनीतिक दलों में है। जो व्यक्ति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में आता है, वह संघ का स्वयंसेवक है, सदस्य नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोई राजनीतिक संगठन नहीं है, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलन है। राजनीतिक दलों के लोग अनेक सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं से विभिन्न गतिविधियों के लिए जुड़े रहते हैं। अब यदि कोई यह मांग करे कि राजनीतिक दल के लोगों को देश की सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं से नाता तोड़ लेना चाहिए, तो उसकी यह सोच विकृत सोच ही कही जाएगी। इसके विपरीत राजनीतिक लोगों को तो देश के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन से और भी गहराई से जुडना चाहिए, तभी वे देश के स्वभाव और प्रकृति को समझ पाएंगे। यदि देश का कोई दल देश के स्वभाव और प्रकृति से ही दूर हट जाएगा, तो वह देश के लोगों का प्रतिनिधि होने का दावा किस प्रकार कर सकेगा, लेकिन जिन लोगों ने राजनीति ही पश्चिम के देशों के संकल्पों में से सीखी हो, वे भारतीय मानस को पढ़ नहीं पा रहे थे और देश के सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों से छिटकी राजनीतिक संस्थाएं निर्माण कर रहे थे। भारतीय जनसंघ के उन लोगों ने जो राष्ट्रीय संवयंसेवक संघ के स्वयंसेवक थे, संघ से संबंध विच्छेद करने की मांग को स्वीकार नहीं किया। वे जनता पार्टी से बाहर आ गए। उनके साथ बहुत से ऐसे लोग भी बाहर आ गए जो संघ के स्वयंसेवक तो नहीं थे, लेकिन सिद्धांत के तौर पर इस मांग से सहमत नहीं थे कि राजनीतिक क्षेत्र के लोगों को देश के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन से संबंध विच्छेद कर लेना चाहिए। बल्कि इस पूरे विवाद के कारण देश के समाज विज्ञानियों में यह बहस छिड़ गई कि मोटे तौर पर देश की सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं देश के बृहत्तर समाज का प्रतिनिधित्व करती हैं और राजनीतिक दल स्टेट का। देश में समाज बड़ा है या स्टेट? समाज के नियंत्रण या समाज के जीवन मूल्यों से दूर जाकर तो राजनीति, राजनीति नहीं बल्कि शैतान नीति बन कर रह जाएगी और अंततः तानाशाही की ओर अग्रसर हो जाएगी। लेकिन इस विवाद का अंतिम परिणाम यह हुआ कि इन सब लोगों ने मिल कर एक नए राजनीतिक दल, भारतीय जनता पार्टी का गठन कर लिया। इस विवाद का दूसरा परिणाम यह हुआ कि अगले चुनावों में जनता पार्टी पराजित ही नहीं हुई, बल्कि अल्पकाल में उसका अस्तित्व ही समाप्त हो गया। इस पराजय का विश्लेषण दो प्रकार से किया गया। पहला विश्लेषण यह था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जनता पार्टी का समर्थन करना बंद कर दिया, इसलिए वह पराजित हो गई और कालगति को प्राप्त हुई। लेकिन दूसरा विश्लेषण था कि जनता पार्टी ने सिद्धांततः स्वयं को देश के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन से दूर कर लिया, इससे वह कालगति को प्राप्त हुई। मुझे लगता है कि दूसरा विश्लेषण ज्यादा सही कहा जा सकता है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने देश के राजनीति विज्ञान के पंडितों के आगे एक दूसरा प्रश्न भी खड़ा कर दिया। कुछ राजनीतिक पंडितों का कहना था कि यदि कोई राजनीतिक दल देश की सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ा रहता है तो वह सांप्रदायिक हो जाता है। लेकिन दूसरे राजनीतिक पंडितों का कहना था कि यदि राजनीतिक दल देश के सांस्कृतिक जीवन से टूट जाता है तो वह देश के लिए ही अप्रासंगिक हो जाता है, जैसे जनता पार्टी देश के लिए अप्रासंगिक हो गई। दरअसल ऐसा भी कहा जाता है कि राजनीति किसी भी देश के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का केवल एक हिस्सा है। समग्र स्वरूप देश का सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष ही है। पश्चिमी देशों के पिछले पांच-छह सौ साल के राजनीति विज्ञान के साहित्य को पढने से यह धारणा बनती है कि वहां राजनीति को समग्र स्वरूप में स्वीकार किया जाता है और वहां के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को मात्र उसका एक छोटा सा हिस्सा। क्योंकि भारत के विश्वविद्यालयों में भी तीन सौ साल से वही अवधारणाएं परोसी जा रही हैं, संतुलन के लिए भी इन विषयों की भारतीय अवधारणाओं को नहीं पढ़ाया जाता, इसलिए यहां भी तथाकथित थिंक टैंक धीरे धीरे इन्हीं विदेशी अवधारणाओं के आलोक में निष्कर्ष निकालते हैं। लेकिन इसे क्या कहा जाए कि आज लगभग पांच दशकों बाद फिर यही प्रश्न उठ रहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का देश की राजनीति से क्या ताल्लुक है? इस प्रश्न की संरचना चाहे अलग प्रकार की है, लेकिन मूल वही है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आपस में क्या संबंध है, यह बहस तब शुरू हुई जब संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को ध्यान में रख कर यह टिप्पणी की कि आधुनिक युग में लोकतंत्र का जो स्वरूप है, उसमें धीरे धीरे विरोधी राजनीतिक दल को शत्रु मान लेने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यह भारत के सामाजिक जीवन के लिए अंततः घातक सिद्ध हो सकती है। लोकतंत्र में पक्ष और प्रतिपक्ष होते हैं, मगर ये दोनों परस्पर पूरक होते हैं, न कि एक दूसरे के शत्रु। इसी प्रकार राजसत्ता की प्रकृति की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि राजसत्ता अहंकार को जन्म देती है। अहंकार सब व्याधियों का मूल है। इसलिए राजनीति के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को अहंकार से बचना चाहिए। मोहन भागवत जी का यह विश्लेषण या टिप्पणियां भारत के राजनीतिक जीवन के सूत्रधारों के लिए विशेष महत्व रखती हैं, लेकिन इन टिप्पणियों के आलोक में संघ और भाजपा के रिश्तों की तलाश करना गलत दरवाजा खटखटाना ही कहा जाएगा।

दृष्टि कोण

आधुनिक समय में योग का पुनरुद्धार

विश्व में भारत का बढ़ता गौरव, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की छवि पिछले एक दशक में वैश्विक लीडर के रूप में उभरी है। जब वैश्विक महामारी कोविड के दुष्परिणामों से जूझ रहे साधन संपन्न पाश्चात्य देश आर्थिक मंदी और औद्योगिक असंतुलन से गुजर रहे थे, ऐसे मुश्किल हालात में भारत चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य, इन्फ्रास्ट्रक्चर में लगातार वृद्धि कर रहा था, वहीं उसने देश के 140 करोड़ लोगों के साथ-साथ अमेरिका समेत दुनिया के बड़े और दिग्गज देशों को कोविड वैक्सीन, चिकित्सीय उपकरण एवं स्वास्थ्य सेवाएं देकर मिसाल कायम की। आज पूरा विश्व भारत की तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है। इस नए भारत में वर्तमान सरकार की विदेश नीति, नई शिक्षा नीति-2020, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, एक दर्जन से अधिक एम्स, 200 से ज्यादा चिकित्सा संस्थानों के निर्माण, सडक़ यातायात, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फ्रैंडली नीतियों की वजह से निवेश तथा उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण बन रहा है। हमारा भारत हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों के साथ विकास की नई पटकथा लिख रहा है। आज सरकार की दो उपलब्धियां मेरे मन को अह्लादित करती हैं। पूरी दुनिया में भारत का इकबाल स्थापित करना, बुलंद होना और दूसरा देश के भीतर 'भारत भी कर सकता है' की भावना का संचार होना। अब 'सब चलता है' वाला दृष्टिकोण भूतकाल के गर्त में है। यह प्रधानमंत्री मोदी ही थे जिन्होंने 2014 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विजन दिया था और उनके नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में योग एकजुट करता है। उन्होंने कहा, यह शरीर, मन, मानवता, प्रकृति और दुनियाभर में लाखों लोगों को एकजुट करता है, जिनके लिए यह शक्ति, सद्भाव और शांति का स्रोत है। एक खतरनाक और विभाजित दुनिया में, इस प्राचीन अभ्यास के लाभ विशेष रूप से कीमती हैं। योग शांति प्रदान करता है, यह चिंता को कम कर सकता है और मानसिक कल्याण को बढ़ावा दे सकता है। यह हमें अनुशासन और धैर्य

विकसित करने में मदद करता है। यह हमें हमारे साथ जोड़ता है। योग सामान्य मानवता को प्रकट करता है। हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारे मतभेदों के बावजूद, हम एक हैं। योग दिवस पर, आइए हम योग के मार्ग को प्रेरित और रोशन करना जारी रखते हैं। योग एक दार्शनिक और आध्यात्मिक अनुशासन के रूप में, इसकी जड़ें वैदिक साहित्य के प्राचीन ग्रंथों में गहराई से अंतर्निहित हैं। ऋग्वेद, उपनिषद और भगवद गीता वैदिक परंपरा में योग की बहुमुखी प्रकृति की बारीक समझ प्रदान करती है। ऋग्वेद सबसे पुराने वैदिक ग्रंथों में से एक है। ध्यान, सांस नियंत्रण और आध्यात्मिक तपस्या के संदर्भ पूरे ऋग्वेद में पाए जा सकते हैं। जो योग दर्शन में बाद के विकास की नींव रखते हैं। ये प्रारंभिक वैदिक भजन प्राचीन ऋषियों और ऋषियों की यौगिक आकांक्षाओं की झलक प्रदान करते हैं। उपनिषद, वैदिक काल में बाद में रचित दार्शनिक ग्रंथों का एक संग्रह, आध्यात्मिक ज्ञान और मुक्ति के मार्ग के रूप में योग की प्रकृति में गहराई से उतरता है। योग दर्शन के आध्यात्मिक आधार को स्पष्ट करते हुए, उपनिषदों में आत्मान (आंतरिक स्व), ब्रह्म (सार्वभौमिक चेतना) और योग जैसी अवधारणाओं को समझाया गया है। उपनिषद विभिन्न ध्यान तकनीकों, दार्शनिक पूछताछ और नैतिक उपदेशों का भी परिचय देते हैं जो शास्त्रीय योग का आधार बनते हैं। हाल के वर्षों में वैदिक योग में रुचि का पुनरुत्थान हुआ है, क्योंकि अभ्यासी प्राचीन भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के साथ फिर से जुडऩा चाहते हैं। विद्वानों, योगियों और आध्यात्मिक नेताओं ने वैदिक योग शिक्षाओं को संरक्षित और पुनर्जीवित करने के लिए लगन से काम किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्राचीन अभ्यास और ज्ञान समय के साथ खो न जाएं। कई समकालीन योग स्कूल और रिट्रीट सेंटर अब कक्षाएं और कार्यशालाएं प्रदान करते हैं जो वैदिक योग सिद्धांतों को शामिल करते हैं, चिकित्सकों को प्रामाणिक शिक्षाओं और प्रथाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं। स्वस्थ जीवन शैली की आदतों, तनाव प्रबंधन और मन-शरीर जागरूकता को बढ़ावा देकर, वैदिक योग निवारक स्वास्थ्य देखभाल में योगदान देता है, पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करता है और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाता है। वैदिक योग अभ्यास आंतरिक शांति, संतोष और आनंद की भावना पैदा करते हैं, जिससे चिकित्सकों को जीवन की चुनौतियों को समता और लचीलापन के साथ नेविगेट करने में सक्षम बनाया जाता है। वैदिक योग एक आध्यात्मिक मार्ग है जिसका उद्देश्य व्यक्तियों को उनके वास्तविक स्वरूप और दिव्य सार के प्रति जागृत करना है।

कुछ अलग

साहित्य से उनका संन्यास

बहुत दिनों तक तो साहित्य के ढोलकी रामजी तय नहीं कर पाए कि उन्हें साहित्य में डटे रहना चाहिए अथवा आउट हो जाना चाहिए। परंतु उन्हें बाद में केवल्य प्राप्त हुआ कि कोई स्वनामधन्य आलोचक उन्हें साहित्य के मैदान में पटखनी देकर चारों खाने चित्त करे, इससे पूर्व ही स्वयं के तथा साहित्य के हित में इस क्षेत्र को त्याग देना चाहिए। इसलिए एक दिन उन्होंने साहित्य से संन्यास की घोषणा कर दी। ढोलकी रामजी द्वारा साहित्य से पलायन का समाचार जंगल की आग की तरह पूरे शहर में फैल गया। मुझ तक आया तो मैं सकते में आ गया। तय नहीं कर पाया कि इस घटना से साहित्य की क्षति हुई है या उनकी क्षति। सारी स्थितियों पर छाए संशय के बादल दूर करने की दृष्टि से एक दिन मैं उनके निवास पर जा पहुंचा। अत्यंत चिंतामग्न मुद्रा में मैंने पूछा, 'सुना है आप साहित्य से पलायन कर रहे हैं?' 'पहले संशोधन कीजिए, यह पलायन नहीं संन्यास है। पलायन कापुरुष करते हैं। मैंने साहित्य के क्षेत्र में पनपते हुए भीषण प्रदूषण को दृष्टिगत रखते हुए उसकी रक्षार्थ संन्यास का कदम उठाया है।' ढोलकी रामजी बोले। मैंने कहा, 'थोड़ा संन्यास का खुलासा कीजिये। गृहस्थ से संन्यास लेना तो समझ में आता है, परन्तु साहित्य से संन्यास लेना सर्वथा नई घटना है। क्रिकेट और फिल्मों में संन्यास भी सुना है, परन्तु साहित्य में नया प्रयोग है ये।' 'साहित्य भी लाला क्रिकेट की तरह है। जब तक चौके-छक्के लगते रहे तो डटे रहो। जैसे ही बिगडने लगे, मैदान छोडऩा कृतित्व एवं व्यक्तित्व के लिए हितकारी होता है। फिल्मों के अभिनय की तरह ये नाटकबाजी भी है। साहित्य का चेहरा लगाकर जीना पड़ता है। जब लगे कि आप बेनकाब हैं तू स्थितियों पर से कुहासा हटे, इससे पहले ही साहित्य से पिंड छुड़ा लेना चाहिए।' 'लेकिन ऐसी नौबत क्या थी? यदि आप साहित्य में बने रहते भी तो इससे अनिष्ट क्या होने वाला था? यदि आपने संन्यास ले लिया है तो आप साहित्यकार से घटकर अथवा बढक़र क्या हो गए हैं?' मैंने पूछा। 'देखो मेरी साइट में बड़ा घान-मसान हैं। हर एरा-गैरा, नत्थू-खैरा साहित्यकार बन गया है। पत्रकार भी अपने आप को लेखक समझने लगा है। भला फिर साहित्य की गरिमा घटेगी अथवा बढ़ेगी? साहित्य का अवमूल्यन हो, इससे पहले मैंने यह कदम उठा लिया। इससे मेरे साहित्य का जो अनिष्ट होने वाला था वह बच गया। हुआ कुछ नहीं है, बस फर्क यही है कि मेरा साहित्यकार कायम है तथा मैं आदमी बन गया हूं। पहले व्यर्थ में साहित्यकार को आदमी पर ओढ़े रहना पड़ता था।' ढोलकी रामजी ने समझाया। मैं बोला, 'लेकिन सुनने में यह आया है कि आप चूकने लगे थे। नए लोगों के सामने आपका लिखा एकदम कचरा लगने लगा था। अखबार-पत्रिकाएं तथा प्रकाशक आपको छापने से कतराने लगे थे एवं आलोचकों ने आपके साहित्य को अत्यन्त निम्न कोटि का ठहराया है। ये स्थितियां और विकट और विकृत हों, इससे पहले ही आपने साहित्यकार को बचाने के लिए संन्यास ले लिया।' यह सुन कर उनकी आंखें फटी की फटी रह गयीं। 'इसमें नई बात क्या है? मैं स्वयं बता रहा हूं कि साहित्यकार को बचाने के लिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। परंतु यह बात बिल्कुल बेबुनियाद है कि नए लेखकों के सामने मैं टिक नहीं पा रहा था, अतः मैं भाग खड़ा हुआ। असलियत तो यह है कि नए लेखक साहित्य का सत्यानाश करने पर तुले हैं। यह मेरी बर्दाश्त के बाहर है कि मेरी आंखों के सामने साहित्य की कब्र खोदी जाए, इसलिए संन्यास ले लिया। अब भले साहित्य के लगे आग। मैं तो ठहरा भूत।' ढोलकी रामजी बोले।

देश दुनीया से

मंत्रिमंडल में फोकस क्षेत्रों और राजनीतिक मजबूरियों की झलक, वादों के मुताबिक नतीजों पर रहेंगी नजरें

45 फीसदी कार्यबल कृषि में लगा हुआ है और राष्ट्रीय आय के छठे हिस्से पर निर्भर है। यह आंकड़ा गरीबी का केंद्रीय पहलू है। निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा उद्यम होने के बावजूद उद्योग के विपरीत कृषि में आगत और निर्गत के संबंधों का अभाव है, जो पुन: कृषि कानूनों (जिन्हें वापस ले लिया गया था) को लाने की आवश्यकता पर बल देता है, ताकि नवाचार को अपनाया जा सके और किसान उत्पादक संगठनों एवं सहकारी समितियों के जरिये ऋण, भंडारण एवं बाजारों तक पहुंच को सक्षम बनाया जा सके। ग्रामीण विकास एवं कृषि को एक साथ लाने से लक्ष्यों में तालमेल बिठाया जा सकता है। हालांकि जरूरी सुधार पूरी तरह से राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। यही बात चार बार के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता के रूप में चौहान के चयन को महत्वपूर्ण बनाती है, जो राज्यों के साथ सहयोग करने और खेती के मुद्दों को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं।

मोदी के नेतृत्व में राजग-3.0 सरकार काम पर लग गई है। जाहिर है, सौ दिनों का कार्यक्रम पर काम हो रहा है। ऐसे में, उन मुद्दों को समझना जरूरी है, जो चुनाव अभियानों के दौरान छाए रहे। कृषि, पानी, उद्योग, श्रम, कौशल और रोजगार से संबंधित चिंताओं पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। यह विकास एवं समृद्धि के लिए प्रमुख मंत्रालयों की कार्यसूची पेश करने का अवसर प्रदान करता है। शिवराज सिंह चौहान (कृषि, कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास)-कृषि क्षेत्र का संकट राजनीतिक संवादों एवं आर्थिक आंकड़ों में प्रतिध्वनित होता है। लगभग आधा यानी 45 फीसदी कार्यबल कृषि में लगा हुआ है और राष्ट्रीय आय के छठे हिस्से पर निर्भर है। यह आंकड़ा गरीबी का केंद्रीय पहलू है। निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा उद्यम होने के बावजूद उद्योग के विपरीत कृषि में आगत और निर्गत के संबंधों का अभाव है, जो पुनः कृषि कानूनों (जिन्हें वापस ले लिया गया था) को लाने की आवश्यकता पर बल देता है, ताकि नवाचार को अपनाया जा सके और किसान उत्पादक संगठनों एवं सहकारी समितियों के जरिये ऋण, भंडारण एवं बाजारों तक पहुंच को सक्षम बनाया जा सके। ग्रामीण विकास एवं कृषि को एक साथ लाने से लक्ष्यों में तालमेल बिठाया जा सकता है। हालांकि जरूरी सुधार पूरी तरह से राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। यही बात चार बार के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता के रूप में चौहान के चयन को महत्वपूर्ण बनाती है, जो राज्यों के साथ सहयोग करने और खेती के मुद्दों को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। चिराग पासवान (खाद्य प्रसंस्करण)-चौहान को युवा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान का भी मार्गदर्शन करना होगा। राजनीतिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में उच्च मुद्रास्फीति का दर्द सुना जा सकता है। आठ फीसदी से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति निजी उपभोग एवं कॉरपोरेट राजस्व पर जीडीपी के आंकड़ों में दिखाई देती है। इसका कारण असमान उत्पादन और भंडारण व प्रसंस्करण क्षमता का अभाव है। भारत को किराये पर भंडारण के लिए एक ढांचा तैयार करने की जरूरत है, जहां किसान अपनी उपज को इच्छानुसार बेचने या ऋण के लिए गिरवी रख सकें। भारत को 'एक जिला, एक उत्पाद' का लाभ उठाने तथा मूल्य संवर्धन और रोजगार बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार की खातिर राज्यों में विधायी मार्ग को स्पष्ट करने की भी जरूरत है। सीआर पाटिल (जल शक्ति)-भारत में जल संकट पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया गया है और यह कई जटिल बाध्यताओं से घिरा हुआ है। भंडारण, उपलब्धता, गुणवत्ता और पहुंच के मुद्दों के कारण महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' कार्यक्रम भी आलोचनाओं के निशाने पर है। घटते भूजल स्तर और टैंकर आपूर्ति वाले शहरी भारत के आंकड़ों में इसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जो 100 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में फैला है। भारत का हर प्रमुख महानगर 50 से लेकर 100 किलोमीटर से अधिक दूरी से पेयजल प्राप्त करता है। ऐसे में, एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पानी के खारेपन को दूर करने तथा रीसाइक्लिंग के लिए

संयंत्र लगाना तत्काल जरूरी है। इसके लिए काफी धन की जरूरत होगी तथा पब्लिक-प्राइवेट मॉडल की आवश्यकता होगी। भारत के पास सॉवरेन और पेंशन फंड से धन जुटाने का अवसर है। एक टेक्नोक्रेट-राजनीतिक होने के नाते पाटिल के पास विरासत को संभालने का मौका है। मनसुख मंडाविया (श्रम, रोजगार एवं युवा मामले) और जयंत चौधरी (कौशल विकास)- बेरोजगारी और रोजगार सृजन का मुद्दा पूरे चुनाव के दौरान गूंजता रहा। रोजगार सृजन और उपलब्ध कौशल में काफी अंतराल है। भारत को एक ऐसी श्रम नीति की जरूरत है, जो नीतियों को बाजार की जरूरतों के साथ जोड़ सके। बेशक हमारे पास कौशल विकास कार्यक्रम है, लेकिन जैसा कि संसद की स्थायी समिति ने रेखांकित किया, कुशल लोगों को प्लेसमेंट के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे पहले शैक्षणिक उपलब्धियों की मैपिंग, युवा कार्यबल के कौशल को प्रमाणित करने के लिए ढांचा, उद्योग की जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रमों को पुनः तैयार करने और कंपनियों को कर्मचारियों को कुशल बनाने एवं फिर से कौशल प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। सरकार को ग्लोबल स्किल गैप स्टडी द्वारा उजागर किए गए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। मंडाविया एवं चौधरी को अकाउंट एग्रीगेटर और ओएनडीसी पहलों में भी तेजी लानी होगी, ताकि रोजगार पैदा करने वाले स्टार्ट-अप्स को ऋण और बाजार तक पहुंच मिल सके। पीयूष गोयल (वाणिज्य एवं उद्योग)-बदलती भू-राजनीति, खास तौर पर अमेरिका और चीन के बीच तनाव ने वैश्विक कंपनियों को जस्ट-इन-टाइम (जरूरत पड़ने पर ही आपूर्तिकर्ताओं से सामान मंगाना) से जस्ट-इन-केस (किसी उत्पाद के स्टॉक से ज्यादा बिकने की संभावना को कम करना) बिजनेस मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया है। भारत वैश्विक विनिर्माण में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के वैश्विक अवसर के चौराहे पर खड़ा है। मई में पीडब्ल्यूसी द्वारा प्रकाशित एक सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अमेरिका और चीन के बाद, तीसरी सबसे अहम कड़ी के रूप में उभर रहा है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में। हां, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना कुछ क्षेत्रों में फायदा पहुंचा रही है, लेकिन और काम करने की जरूरत है। सुधारों के अधूरे एजेंडे का बोझ राज्यों पर है और यहां नीति आयोग सर्वोत्तम प्रथाओं की एक ब्लू बुक बनाकर बदलाव ला सकता है। भारत को नई श्रम संहिताओं को अपनाने में तेजी लानी होगी। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की अधिशेष भूमि का लाभ उठाकर निवेश करने वाली कंपनियों के लिए जगह बनानी होगी और नियामकीय बाधाओं को दूर करना होगा। भारत को निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक औद्योगिक समूहों की आवश्यकता है, विशेष रूप से पूर्वी तट और उत्तर के संसाधन संपन्न राज्यों में। मंत्रिमंडल में मंत्रियों के चयन से व्यक्तित्व के साथ फोकस क्षेत्रों के दिलचस्प जुड़ाव, राजनीतिक मजबूरियों और आर्थिक अनिवार्यताओं का पता चलता है।

आप का नजरीया

सडक़ों पर वाहनों के डेरे

पर्यटक सीजन की मेहनत में उस हिसाब का क्या होगा, जो सैलानियों के अनुभव में खीज पैदा करता है। हर साल हिमाचल में सौ से दो सौ होटल, होम स्टे या रेस्तरां बढ़ रहे हैं, लेकिन इन सुविधाओं के ठीक पीछे सैलानियों के सुकून को अपने लिए जगह खोजनी पड़ती है। महज तेरह दिनों में शिमला में अगर सवा पांच लाख के करीब वाहन आ जाएं, तो इस ट्रैफिक के बीच मेहमाननवाजी का आलम क्या होगा। अगर सप्ताहांत पर्यटन की भीड़ में धर्मशाला से मकलोडगंज और भागसूनाग के बीच पांच घंटे ट्रैफिक जाम हो जाए, तो सैलानियों का यात्रा वृतांत क्या होगा। अटल टनल के दोनों छोर से प्रतिदिन दस हजार से ऊपर वाहन लांघते रहें, तो इस डेस्टिनेशन का इंतजाम क्या होगा। हिमाचल में सडक़ से पर्यटक स्थल तक और तीर्थ यात्रा से ट्रैकिंग तक वाहनों से अटे पड़े प्रदेश में अंततः सुकून की परिभाषा है क्या। हमने परिवहन व्यवस्था के नाम पर सिर्फ एक ही आंकड़ा रटा है कि प्रदेश में 24 लाख पंजीकृत वाहन हैं, जबकि बाहरी प्रदेशों खास तौर पर पर्यटक वाहनों की तादाद जोड़ लें तो साल भर में इससे चार गुना वाहन और जुड़ जाते हैं। तेरह दिन में शिमला की सडक़ों पर सवा पांच लाख वाहनों का जमघट स्पष्ट कर देता है कि परिवहन के नीचे व्यवस्था किस हद तक कुचली जा रही है। यह स्थिति तब की है, जब साल में दो करोड़ से कम पर्यटक पहुंच रहे हैं और अगर घोषणा के अनुसार यह संख्या कहीं पांच करोड़ पहुंच गई तो सडक़ों पर वाहनों के डेरे, सारे प्रबंधों को तहस-नहस कर देंगे। कब तक साधारण पुलिस व्यवस्था सीटियां मार-मार कर यातायात व्यवस्था के बीच अड़े पर्यटक सीजन को दुरुस्त करेगी। इसके लिए आवश्यक है कि विशेष प्रशिक्षण के साथ मैत्री पर्यटक पुलिस की स्थापना की जाए। परिवहन को पर्यटन परिवहन के रूप में अंगीकार करते हुए हिमाचल को न केवल सडक़ों के ढांचे में सुधार की जरूरत है, बल्कि वाहनों के संचालन व ठहराव की पूर्ण व्यवस्था का प्रारूप बनाना होगा। पर्यटक अगर अटल टनल, डलहौजी, मकलोडगंज या कसौली पहुंचने से पहले तौबा करें या ट्रैफिक जाम सुकून के पल बर्बाद कर दें, तो हिमाचल में नकारात्मक पर्यटन से बचना होगा। महापर्यटन की शक्ल में सैलानियों की भीड़ को प्रदेश भर में बांटने के लिए एक साथ कई सर्किट बनाने होंगे तथा इनका संचालन मोबाइल ऐप के जरिए संभव हो सकता है। प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर पर्यटक व वाहन पंजीकरण से आगे का सफर एक ऑनलाइन अनुमति के साथ व्यवस्थित करना होगा। प्रदेश के दस अति व्यस्त पर्यटक स्थलों व तमाम धार्मिक स्थलों के दायरे में परिवहन परियोजनाएं विकसित करनी पडेंगी। इन सभी स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही महापार्किंग विकसित करके पर्यटक वाहन रोक देने चाहिएं और आगे का सफर सस्ती व आरामदायक सार्वजनिक परिवहन से सुचारू किया जा सकता है। महापार्किंग स्थल से रोपवे के जरिए मंदिर व पर्यटक स्थल धीरे-धीरे जोड़े जा सकते हैं। पर्यटक स्थलों में साइट सीईंग व्यवस्था के तहत पैकेज ट्रांसपोर्ट नेटवर्क खड़ा करना चाहिए ताकि निजी वाहनों की जरूरत ही खत्म हो जाए।

राजस्थान को डबल इंजन सरकार का मिलेगा पूरा लाभ : दिया कुमारी

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोदी 3.0 सरकार के विजन को साकार करने के लिए आगामी केंद्रीय परिवर्तित बजट 2024-25 में *विकसित भारत-विकसित राजस्थान* की परिकल्पना को साकार करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा। दिया कुमारी ने राजस्थान की जनता से जुड़े हुए विकास के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। बैठक के दौरान दिया कुमारी ने राजस्थान के 21 जिलों की जीवनदायी रेखा साबित होने वाली *पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना* को जल्द ही मूर्त रूप देने के सभी आयामों को विस्तार से केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने राजस्थान में संचालित *जल जीवन मिशन* की प्रगति और और इस मिशन को अधिक मजबूती देने तथा जल्द ही इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग की मांग रखी। दिया कुमारी ने बताया कि हमने केंद्रीय मंत्री के समक्ष राजस्थान में लंबित *तीन प्रमुख रेल परियोजनाओं* को जल्द ही मूर्त रूप देने के विषय को भी रखा, ताकि रेल सुविधाओं से वंचित राजस्थान के दूरस्थ इलाकों में विकास की धारा को पहुंचाया जा सके। प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके सुदृढ़ीकरण को लेकर भी केंद्रीय मंत्री से बैठक के दौरान चर्चा की गई। दिया कुमारी ने बताया कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ राजस्थान में बड़े शहरों को दूरस्थ इलाकों के गांवों और ढाणियों से जोड़ने के लिए सड़कों का सुदृढ़ जाल होना बहुत जरूरी है ताकि राज्य के सभी हिस्सों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में कृषि, उद्योग के साथ-साथ प्रदेश की आधारभूत संरचना के विकास में पर्याप्त ऊर्जा की सुलभ उपलब्धता बहुत अहम स्थान रखती है। इसलिए राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान में संचालित ऊर्जा कंपनियों के लिए विशेष सहयोग देने की मांग रखी ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान सभी संभावित संभावनाओं का बेहतर ढंग से दोहन करते हुए विकास को आगे बढ़ा सके। बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा राजस्थान की तरफ से रखे गए सभी पक्षों को केंद्रीय मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राजस्थान की सभी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा और सचिव देवाशीष पुष्टि भी मौजूद रहे।

महिला चिकित्सालय में लगी आग : धुएं के बीच पचास से ज्यादा महिलाएं और बच्चे फंसे

जयपुर (हिंस)। लाल कोठी थाना इलाके के सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे भीषण आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल गया। आग की सूचना मिलने पर पुलिस सहित घाटगेट से दो दमकल मौके पर पहुंची और तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू किया गया। जांच में सामने आया की एसी में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई थी। इससे पहले धुएं के बीच पचास से ज्यादा महिला और बच्चे फंस गए,जिन्हें पुलिस सहित दमकल कर्मियों ने सकुशल बाहर निकाल कर सभी को दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ आमेर) घनश्याम ने बताया कि शनिवार तडके सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में आग की सूचना मिली थी। इस पर घाटगेट से दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग अस्पताल की पहली मंजिल में बनी बायोकेमिस्ट्री लैब में एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। आग की चपेट में आने से लैब में रखी दो मशीनें,जांच के उपकरण सहित कई कागजात जल कर राख हो गए। पहली मंजिल पर लगी आग का धुआं अस्पताल की दूसरी और तीसरी मंजिल पर फैल गया। इस दौरान पहली मंजिल पर बने जनरल वार्ड में करीब पचास से अधिक महिला और बच्चों मौजूद थे। सभी को दमकल कर्मचारियों को निकाल कर ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया। इस दौरान किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। जब तक आग पर काबू पाया गया। तब तक पूरी लैब जलकर राख हो गई। इस लैब में बड़ी संख्या में महिला मरीजों के सैंपल थे, जो आग में जल गए। इसके साथ ही लैब में कंप्यूटर, फ्रीज व अन्य सभी सामान जल गया। इसके चलते बड़ी संख्या में मरीजों की सैंपल भी जले है। सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय की अधीक्षक आशा वर्मा ने बताया कि आग के कारण एक थायराइड जांच मशीन भी जल गई। आग के दौरान मरीजों को शिफ्ट करने की जरूरत नहीं थी। फिर भी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पहली मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट कर दिया गया है। एक ओटी को भी बंद कर दिया गया है। इसे फिर से सेनेटाइज कर जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

श्री दरबार साहिब में युवती की हरकत पर मचा बवाल, वीडियो हो रहा वायरल

पंजाब। गत दिन देश भर में इंटरनेशनल योग दिवस मनाया गया। इस दौरान लोगों ने योग करके लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो ने हड़कंप मचा दिया है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है जिसमें युवती अर्चना मकवाना श्री दरबार साहिब अमृतसर में योगा करती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह शीर्षासन करती हुई नजर आ रही है। युवती की इस हरकत पर बवाल मच गया है जिसे लेकर एसजीपीसी पर सवाल खड़े हो गए। वहीं उक्त युवती की वीडियो वायरल होने की कड़ी निंदा की जा रही है। बवाल मचने के बाद इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर युवती अर्चना मकवाना ने एक पोस्ट शेयर की है जिसमें उसने माफी मांगी है। उसने लिखा है कि उसका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था लेकिन फिर भी किसी की भावना को ठेस लगी है तो वह माफी मांगती है। उधर, युवती के योग करने पर शिरोमणि कमेटी की प्रतिक्रिया सामने आई है। शिरोमणि कमेटी का कहना है कि लोग यहां पूरी श्रद्धा भाव से नतमस्तक होते हैं, लेकिन एक युवती ने इस पवित्र स्थान पर करीब एक घंटे तक योग किया है, जिससे संगत को काफी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि युवती ने किसी भी स्थान पर माथा नहीं टेका था, इससे पता चलता है कि वह सिर्फ मशहूर होने के लिए सचखंड श्री दरबार साहिब में योग आसन कर रही थी। शिरोमणि कमेटी ने युवती के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि भले ही युवती ने पोस्ट कर माफी मांगी है, लेकिन ये लोग पहले गलती करते हैं और फिर माफी मांगते हैं। इस बीच, उन्होंने कहा कि परिक्रमा में ड्यूटी पर तैनात तीन आरोपियों भाई गगनपाल सिंह, भाई हरजिंदर सिंह और भाई पलविंदर सिंह को पहले निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर की गई है।

जालंधर को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान का बड़ा एलान

जालंधर। जालंधर वैस्ट विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान अपनी टीम सहित जालंधर शिफ्ट हो रहे हैं, जिसके लिए बकायदा वह एक मकान भी जालंधर में किराए पर ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ने मेरी डयूटी लगाई है और मेरी अगुवाई में जालंधर के उपचुनाव लड़े जाएंगे। इसके लिए मैं जालंधर में एक घर किराए पर ले रहा हूं। यह घर न सिर्फ चुनावों तक ही नहीं लिया जाएगा बल्कि इसके बाद भी वह अपने लोगों के बीच रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनावों के बाद इस घर को दोआबा और माझा का दफ्तर बनाया जाएगा और सप्ताह में दो से तीन दिन वह यहीं रहा करेंगे।

भारत आदिवासी पार्टी में फिर दो फाड़ की स्थिति बांसवाड़ा के आठ नेताओं को पार्टी से बाहर निकाला

बांसवाड़ा (हिंस)। भारतीय ट्राइबल पार्टी से अलग होकर भारत आदिवासी पार्टी के बैनर तले लोकसभा चुनाव जीतने के बाद एक बार फिर पार्टी में बिखराव की स्थिति पैदा हो गई है। भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लाल रोत ने चुनाव पूर्व से लगातार अनुशासनहीनता करने और लोकसभा चुनाव परिणाम बाद से भारत आदिवासी पार्टी विरोधी गतिविधियों में अनवरत लिप्त रहने वाले आठ पदाधिकारियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लाल रोत ने शनिवार को पत्र जारी करते हुए कहा कि पार्टी विरोधी कार्य करते हुए समानांतर संगठन बनाने के लिए विरोधियों से संपर्क करने, निरंतर सौदेबाजी में संलग्न रहने, सांठ-गांठ करने की पुख्ता जानकारी मिलने, सुधरने एवं व्यवहार परिवर्तन का पर्याप्त अवसर देने पर भी समाज अहित में व्यस्त रहने को लेकर दी गई अनुशासन समिति की रिपोर्ट पर बांसवाड़ा जिले के पदाधिकारियों को पार्टी की सदस्यता से तत्काल प्रभाव निलंबित किया गया। उन्होंने मणिलाल गरासिया, दिनेश डाबी, राकेश डिंडोर, मुकेश राणा, राजू राणा, नारायण बामणिया, पवन बुझ, तेजकरण मईडा पर कार्रवाई करते हुए कहा है कि अब भविष्य में भारत आदिवासी पार्टी का इन आठ व्यक्तियों से कोई संबंध नहीं है। एक तरफ जहां भारत आदिवासी पार्टी के नव निर्वाचित सांसद राजकुमार रोत और अन्य पदाधिकारी अलग भील प्रदेश की मांग को बुलंद करने की बात कर रहे हैं, तो पार्टी से निकाले गए पदाधिकारी इसका नल जांबूखंड प्रदेश रखने की बात कह रहे हैं। इसको लेकर पिछले कुछ दिनों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वार चल रहा है। इसके बाद ही भारत आदिवासी पार्टी ने यह कदम उठाया है।

भारत आदिवासी पार्टी
BHARAT ADIVASI PARTY
मोहनलाल रोत
राष्ट्रीय अध्यक्ष
Mohan lal Roat
National President
Ref. BAP/RAJ/JUNE-2024/86. Date 22/06/2024

लोकसभा चुनाव पूर्व से लगातार अनुशासनहीनता करने और लोकसभा चुनाव परिणाम बाद से "भारत आदिवासी पार्टी" विरोधी गतिविधियों में अनवरत लिप्त रहने और समानान्तर संगठन बनाने के लिए विरोधी लोगो से सम्पर्क करने, निरन्तर सौदेबाजी में संलग्न रहने, सांठ-गांठ करने की पुख्ता जानकारी मिलने, सुधरने एवं व्यवहार परिवर्तन का पर्याप्त अवसर देने पर भी समाज अहित मे व्यस्त रहने को लेकर दी गई 'अनुशासन समिति की रिपोर्ट' पर बांसवाडा जिले के निम्न व्यक्तियों को पार्टी की सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है

1. मणिलाल गरासिया
2. दिनेश डाबी
3. राकेश डिंडोर
4. मुकेश राणा
5. राजू राणा
6. नारायण बामणिया
7. पवन बुझ
8. तेजकरण मईडा

भारत आदिवासी पार्टी (BAP) का इन आठ व्यक्तियों से कोई सम्बन्ध नहीं है।

(मोहन लाल रोत)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारत आदिवासी पार्टी

सूरसागर उपद्रव मामला : पांच थाना क्षेत्रों में धारा 144, गिरफ्तार 45

जोधपुर (हिंस)। शहर के सूरसागर क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह की दीवार के पास ट्रक खड़े करके दो दरवाजे अवैध रूप से निकाले जाने को लेकर हुए बवाल के बाद पुलिस ने सख्ती करते हुए सूरसागर, प्रतापनगर, प्रतापनगर सदर, देव नगर और राजीव गाँधी नगर थाना क्षेत्र में 22 जून सुबह छह बजे से आगामी आदेश तक धारा 144 लगा दी है। डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि वृत प्रतापनगर के पांच थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगाई गई है। शुक्रवार रात उपजे सांप्रदायिक तनाव के बाद पुलिस प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अब तक 200 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर 45 उपद्रवियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। पुलिस के आला अधिकारी कल रात से ही सूरसागर क्षेत्र में डेरा डालकर बैठे हैं और क्षेत्र में आरएसी और एसटीएफ की बटालियन पुलिस जाब्ते के साथ तैनात है। शुक्रवार को मावडियो की घाटी क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह परिसर में ट्रक खड़े करवा कर रास्ते खोलने के विवाद को लेकर दो पक्षों में बढ़े विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया। मौके पर जमकर कांच की बोतलें और पत्थरबाजी की गई। एक दुकान को आग के हवाले भी कर दिया गया। पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने मौके पर स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं, प्रशासन ने निगम की टीम को बुलाकर मौके से कांच और पत्थर हटवाए। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण है लेकिन धीरे-धीरे सामन्य होने की तरफ बढ़ रही है। पुलिस फोर्स इलाके में गश्त कर रही है। लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की जा रही है। सूरसागर क्षेत्र में घटित साम्प्रदायिक तनाव को लेकर कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बयान देते कहा दोषियों के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई। किसी भी दोषी को नहीं जाएगा। उन्होंने अपने बयान में कहा जोधपुर शहर है अपनायत का शहर इसलिए दोनों पक्षों से की शांति बनाए रखने की अपील की। जबकि शहर विधायक अतुल भन्साली और सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी ने भी घटना स्थल पर पहुंच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मार्च किया। अलग-अलग गली मोहल्ले में मार्च किया गया। आमजन और पुलिस पर पथराव करने वाले उपद्रवियों को पुलिस ने धरपकड़ करनी शुरू की तो आरोपितों के परिवार जनों ने आक्रोश जताया। किसी एक तत्व द्वारा गड़बड़ी किए जाने पर बने माहौल पर पर आक्रोश जताया गया। एडीसीपी नरपत सिंह और निशांत भारद्वाज, लाभूराम व राजेन्द्र दिवाकर भी मौके पर है। अधिकारियों के साथ पुलिस के जवान और महिला सिपाहियों को भी तैनात किया गया है।

अन्य राज्यों की तर्ज पर हरियाणा में भी ई-वे बिल पर छूट की मांग

हिसार (हिंस)। हरियाणा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विजय लक्ष्मी चन्द गुप्ता ने व्यापारियों के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपकर अन्य राज्यों की तर्ज पर हरियाणा में भी ई-वे बिल पर छूट दिए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने मांग की कि जीएसटी कौंसिल ने केंद्र सरकार के आदेश पर अनेक राज्यों को, ई-वे बिल पर दी गई छूट को हरियाणा में भी दिलाया जाए। ज्ञापन में हरियाणा व्यापार मंडल ले मांग की कि जीएसटी कानून में इन्ट्र स्टेट परिवहन के मामले में बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, गुजरात आदि जिलों में ई-वे बिल पर छूट दी गई है जबकि हरियाणा में यह नहीं है। उन्होंने मांग की कि उपरोक्त राज्यों को ई-वे बिल पर मिली छूट की तर्ज पर हरियाणा में भी ई-वे बिल पर छूट मिलनी चाहिए। लक्ष्मी चन्द गुप्ता ने कहा कि हरियाणा का व्यापारी और उद्योगपति पूरी ईमानदारी और निष्ठा से सरकारी खजाने को भरने का काम कर रहा है। इसके परिणाम स्वरूप हरियाणा, देश में जीएसटी कलेक्शन में तीसरा स्थान रखता है। ऐसे में हरियाणा को भी ई-वे बिल में अन्य राज्यों की भांति छूट मिले, जिससे हरियाणा का व्यापारी और उद्योगपति और अधिक खुल कर अपने व्यापार को कर सके और पड़ोसी राज्यों के साथ चुनौती के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके।

हरियाणा का 23वां जिला बनेगा गोहाना : मुख्यमंत्री नायब सैनी

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना में संत कबीरदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश का 23वां जिला गोहाना होगा। गोहाना में इसके लिए कमेटी बनाई जा चुकी है। कमेटी के नॉर्म्स पूरे होते ही गोहाना को जिला बनाने की घोषणा कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री सैनी ने शनिवार को कहा कि गोहाना से जींद रोड तक बाइपास बनाएंगे, इसके लिए भूमि की तलाश की जा रही है। जल्द ही प्रदेश की एससी और ओबीसी की धर्मशालाओं के लिए भी 100 करोड़ रुपए जारी करेंगे। मुख्यमंत्री ने जिले की धानक समाज की शिक्षा आवास और छात्रावास के लिए 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। सीएम ने सभी को संत कबीर दास जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कबीर वाणी का हर शब्द प्रेरणा देता है। आज भी उनके के दोहे जीवन का सच बयां करते हैं। सरकार के विश्वास मत हासिल करने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी बोले कि जब से उन्होंने कुर्सी संभाली है, तब से कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है। कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि सरकार अल्पमत में है। जबकि उन्हें पता है कि सदन में विपक्ष की भूमिका पर लोग सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का एक भी दल एकजुट नहीं है। कांग्रेस के विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं, यही हाल जजपा का है। यदि विपक्ष के पास बहुमत है, तो वह विधायकों को लेकर गवर्नर के यहां परेड कराएं। नायब सैनी ने पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के द्वारा सीएम आवास को संत कबीर कुटीर का नाम दिए जाने की तारीफ करते हुए कहा कि कबीर दास ने बिना किसी जात-पात रूढ़ियों पर प्रहार किया था, वैसे ही चंडीगढ़ में सीएम आवास नहीं संत कबीर कुटीर है। संत कबीर कुटीर में सभी की चिंता की जाती है। यहां हर आने वाले की बात सुनी जाती है, और न्याय दिया जाता है। सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने सभी वर्गों का चहुंमुखी विकास किया है। पूर्व सीएम मनोहर लाल ने आयुष्मान योजना का विस्तार किया। चिरायु योजना हरियाणा के तहत 5 लाख का इलाज फ्री दिया। हमने आपकी बेटी हमारी बेटी योजना शुरू की। अब इस योजना के तहत बेटी के जन्म पर 21 हजार रुपए हरियाणा सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं।

सीबीआई ने बजरी कारोबारी के ऑफिस समेत चौदह ठिकानों पर की छापेमारी

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बजरी कारोबारी मेघराज सिंह रॉयल (मेघराज ग्रुप) के अलग-अलग ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी करते हुए कई दस्तावेज सहित अन्य चीजें जब्त की है। सीबीआई की टीम जयपुर में ग्रुप के दो सौ फीट बायपास के पास स्थित ऑफिस समेत चौदह ठिकानों पर छापेमारी है। इनमें मेघराज सिंह के घर, चौमूं सर्किल स्थित ऑफिस, टोंक, भरतपुर, सवाई माधोपुर और नागौर स्थित ऑफिस भी शामिल हैं। ऑफिस में मौजूद सभी कागजों की जांच की जा रही है। सीबीआई के अनुसार कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पास दर्ज केस में ग्रुप के खिलाफ कई सबूत मिले थे। इसके बाद ईडी ने दिल्ली ऑफिस में मेघराज सिंह सहित ग्रुप के अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था। अधिकांश लोग ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे। इसके बाद इस केस पर आगे एक्शन के लिए सीबीआई ने प्लान बनाया। दोनों एजेंसियां इस केस पर अपने-अपने एंगल से काम कर रही हैं। सीबीआई एमआरएस ग्रुप पर कई समय से नजर बनाए हुए थी। टोंक के धांधोली बजरी नाके पर,बनास क्षेत्र में बजरी ऑफिस, टोंक में ही नेशनल हाइवे 52 पर दूनी थाना क्षेत्र में और सवाई माधोपुर स्थित चौथ का बरबाड़ा में एसआर एसोसिएट ग्रुप के नाके पर सीबीआई टीम ने रेड मारी। गौरतलब है कि चौदह फरवरी को मेघराज ग्रुप के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी छापेमारी की थी।

चंडीगढ़ : एचकेआरएन के तहत लगे शिक्षकों की ज्वाइनिंग कराने के निर्देश

चंडीगढ़ (हिंस)। शिक्षा विभाग ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे शिक्षकों को जल्द ज्वाइनिंग करने के निर्देश जारी किए हैं। सेकेंडरी शिक्षा निदेशक की ओर से जिला शिक्षा अधिकारियों को हिदायत दी गई है कि जो शिक्षक लोकसभा चुनावों के चलते लगी आचार संहिता के कारण ज्वाइनिंग नहीं कर पाए थे, उनकी जल्द ज्वाइनिंग कराई जाए। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि जो शिक्षक रिक्त पदों पर ज्वाइनिंग कर पाए हैं, उन्हें नजदीक के स्कूलों में रिक्त पदों पर ज्वाइनिंग कराई जाएगी। मुख्यालय की ओर से शिक्षकों की ज्वाइनिंग रिपोर्ट भी जिलावार तलब की गई है। लोकसभा चुनावों के चलते आदर्श आचार संहिता लगने से एचकेआरएन के तहत लगे शिक्षकों की नियुक्तियां अटक गई थीं। तकरीबन दो महीने ज्वाइनिंग नहीं हो पाई थी। हालांकि इस बीच गरमी के कारण स्कूल बंद ही रहे और साथ ही आचार संहिता के कारण नियुक्ति नहीं मिल पाई थी।

युवा राजद ने सरकार के विरोध में किया धरना-प्रदर्शन

किशनगंज (हिंस)। आरक्षण रद्द किए जाने व सरकार के विरोध में युवा राजद ने अंबेडकर टाउन हॉल के समीप शनिवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। युवा राजद जिलाध्यक्ष शम्स इम्तियाज उर्फ सन्नी की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन किया गया। राजद जिलाध्यक्ष शम्स इम्तियाज उर्फ सन्नी ने कहा कि राज्य के सभी जिला मुख्यालय में युवा राजद के द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को रहने दिया जाए। वहीं एमके रिजवी ने कहा कि लंबी मेहनत के नतीजे के बाद जातीय जनगणना की बात सामने आयी थी लेकिन साजिश इसे फिर से समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। हम इसका विरोध करते हैं। किशनगंज सहित सभी जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है। दानिश इकबाल ने कहा कि भाजपा की नीतियों के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया गया है। युवा नगर अध्यक्ष मो. अकबर ने कहा कि जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से आरक्षण मिलनी चाहिए। धरना में युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एमके रिजवी उर्फ नन्हा मुश्ताक, युवा नगर अध्यक्ष रेहान अहमद मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा में जुटी भाजपा

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में मिली अप्रत्याशित हार ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है। प्रदेश की 80 सीटों में से पार्टी को सिर्फ 33 सीटें मिली हैं। उसकी सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) 01 और रालोद 02 सीट जीतने में कामयाब रही। प्रदेश में भाजपा को मिली अप्रत्याशित हार के कारणों की समीक्षा करने के लिए पार्टी ने प्रतिनिधिमंडल का गठन कर जिलों के दौरे पर भेजा है। यह टीम जिलों में जाकर हार के कारणों की तलाश कर रही है। कई जिलों में समीक्षा बैठक के दौरान ही प्रदेश से भेजे गये नेताओं के सामने हाथापाई की नौबत आ चुकी है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा ने मीडियाकर्मियों से कहा कि पार्टी हार के कारणों की पड़ताल कर रही है। हर चुनाव के बाद समीक्षा की जाती है। इस बार भी समीक्षा बैठकें हो रही हैं। जो खामियां निकलकर आएंगी उन्हें दूर करते हुए पार्टी विधानसभा के उपचुनाव में पूरी दमदारी के साथ उतरेगी। उधर, भाजपा के कुछ नेताओं का मानना है कि पार्टी 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव की तैयारी करने के बजाए लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा कर समय बर्बाद कर रही है। क्योंकि उप चुनाव की तैयारी में अगर देरी हुई तो इसके परिणाम भी आशा के विपरीत आ सकते हैं। उत्तर प्रदेश की जिन नौ विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होना है उनमें मिल्कीपुर सुरक्षित सीट, कटेहरी, फूलपुर, गाजियाबाद, मझवा, मीरापुर व खैर, करहल व कुंदरकी विधानसभा सीट शामिल हैं। इन नौ सीटों में से सपा के खाते में 4 सीटें थीं, भाजपा के खाते में 3 सीटें थी। भाजपा की सहयोगी रालोद और निषाद पार्टी के पास एक-एक विधानसभा सीट थी। इसके साथ ही कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा सुनाए जाने से रिक्त सीट पर भी उपचुनाव होगा।

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय आम महोत्सव-2024 का किया उद्घाटन

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में दो दिवसीय आम महोत्सव 2024 का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आम उत्पादकों द्वारा लगाई गई विभिन्न प्रजाति के आमों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी विशेषताओं के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न कृषि उत्पादक समूहों एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को अनुदान राशि का सांकेतिक चेक भी प्रदान किया। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, कृषि मंत्री मंगल पांडे, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

तुअर, उड़द, मसूर की शत प्रतिशत खरीद एमएसपी पर करेगा केंद्र; केंद्रीय मंत्री शिवराज ने किया एलान

नई दिल्ली ।
तुअर, उड़द और मसूर की दालों पर केंद्र सरकार शत प्रतिशत एमएसपी देगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के कृषि मंत्रियों की बैठक के बाद यह एलान किया। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने व आयात कम करने के लिए केंद्र सरकार तुअर, उड़द और मसूर की शत प्रतिशत खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करेगी। केंद्रीय किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक में कहा कि यदि किसानों को बाजार में उनकी उपज का एमएसपी नहीं मिलेगा तो केंद्र सरकार किसानों की शत प्रतिशत उपज खरीदेगी। शिवराज ने कहा, एमएसपी पर 100 प्रतिशत फसलों की खरीद के लिए किसानों समृद्धि पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसे केंद्र सरकार ने नेफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से शुरू किया है। एक अधिकारी ने कहा, बैठक में केंद्रीय मंत्री ने 2015-16 के बाद से दलहन उत्पादन में 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए राज्यों की प्रशंसा की, लेकिन प्रति हेक्टेयर उपज में सुधार के लिए और प्रयास करने का आह्वान किया। चौहान ने कहा, भारत ने पिछले दशक में दाल आयात पर अपनी निर्भरता 30 से घटाकर 10 प्रतिशत कर दी है, जिससे मूंग और चना में आत्मनिर्भरता हासिल हुई है। दलहन के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 150 दलहन बीज केंद्र खोले हैं और कम उत्पादकता वाले जिलों में आईसीएमआर विशेष चक बनाकर उत्पादकता को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। दलहन की विशेष किस्में करेंगे तैयार बैठक में शिवराज ने दलहन की खेती करने वाले किसानों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दलहन की विशेष किस्में ईजाद की जा रही हैं। काबुली चना, तुअर और चना पर स्टॉक सीमा लागू...दालों की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए काबुली चना, तुअर दाल, और चना पर 30 सितंबर तक स्टॉक सीमा लागू कर दी। नए नियमों के तहत सभी दाल कारोबारियों को अपने दलहन स्टॉक की जानकारी 30 सितंबर तक हर सप्ताह सरकार के पोर्टल पर देनी होगी। सरकार का मानना है कि मौजूदा समय में दाल की कीमतें बढ़ने की वजह जमाखोरी और सट्टेबाजी है।

न्यूज ब्रीफ

रसोई घरों से गायब होने लगी हैं सब्जियां; एक साल में खाद्य पदार्थों में 65 फीसदी तक इजाफा

नई दिल्ली । भीषण गर्मी के बीच महंगाई एक बार फिर आम लोगों को सताने लगी है। पिछले एक साल में जरूरी वस्तुओं के दाम 65 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। सब्जियों की कीमतें इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं कि अधिकतर रसोई घरों से अब ये गायब होने लगी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, प्याज, आलू और टमाटर की कीमतें सबसे अधिक बढ़ी हैं। इनके अलावा, चावल, दाल और खाने-पीने की अन्य वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर उलपब्ध आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 21 जून को चावल की कीमत 40 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब बढ़कर 45 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। मूंग दाल की कीमत 109 रुपये से 10 फीसदी बढ़कर 119 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। मसूर दाल 92 रुपये से बढ़कर 94 रुपये और चीनी का भाव 43 रुपये से बढ़कर 45 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। दूध भी 58 रुपये से बढ़कर 59 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि, इस दौरान खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट आई है। मूंगफली तेल का दाम करीब-करीब स्थिर है। सरसों तेल का भाव 142 रुपये से घटकर 139 रुपये लीटर, सोया तेल 132 से घटकर 124 रुपये लीटर रह गया है। पाम तेल की कीमत 106 से गिरकर 100 रुपये पर आ गई है। चाय की कीमत भी 274 रुपये से मामूली बढ़कर 280 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। आसमान पर पहुंचे सब्जियों के दाम खुदरा बाजारों के आंकड़ों से पता चलता है कि सब्जियों की कीमतों भी आसमान पर हैं। फूलगोभी 80 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिक रहा है। परवल भी खुदरा बाजारों में 60 रुपये प्रति किलोग्राम है।

कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का 10वां दौर शुरू

हैदराबाद । केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत कर दी है। नीलामी के इस चरण में 67 कोयला खानों को शामिल किया गया है। ये खदानें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में स्थित हैं। इनमें पूरी तरह और आंशिक रूप से खोजी गई खदानों के साथ तीन कोकिंग कोल खदानें भी शामिल हैं। नीलामी की शुरुआत के मौके पर रेड्डी ने कोयला आयात घटाने और इसका उत्पादन बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने बिजली उत्पादन में कोयले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे काला सोना बताया। कोयला मंत्री ने कहा कि जीवंत और सुधार-उन्मुख कोयला क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अहम है। इस बीच रेड्डी के गृह-राज्य तेलंगाना के गोदावरी क्षेत्र में स्थित कोयला खदानों को बोली के बगैर ही आवंटित किए जाने की मांग उठी है।

ओला इलेक्ट्रिक को अपना आईपीओ लाने की मंजूरी मिली

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को इसी महीने की 20 तारीख को सेबी की तरफ से आईपीओ लाने की आधिकारिक मंजूरी भी मिल गई है। मगर अब पेच आईपीओ के वैल्यूएशन को लेकर फंसता दिख रहा है। वैल्यूएशन को लेकर कंपनी पर निवेशकों का दबाव बनता दिख रहा है। एक एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कंपनी के फाउंडर भाविश अग्रवाल चाहते हैं कि आईपीओ 7 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर लाया जाए। जबकि कंपनी के निवेशक चाहते हैं कि यह वैल्यूएशन 5 अरब डॉलर तय की जाए।

घेरे में हिंदुजा परिवार : कर्मचारियों से अधिक कुत्तों पर खर्च

मामूली वेतन के लिए 17-18 घंटे काम कराने के आरोप

नई दिल्ली ।
ब्रिटेन का सबसे धनी भारतीय मूल का हिंदुजा परिवार गलत कारणों से एक बार फिर सुर्खियों में हैं। परिवार के कुछ सदस्यों को स्विटजरलैंड स्थित उनके जिनेवा विला में भारतीय कर्मचारियों का शोषण करने के मामले में लगभग चार साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

एक स्विस अदालत ने परिवार के चार सदस्यों को अवैध रूप से लोगों को काम पर रखने का दोषी पाया है। अब परिवार के चार सदस्यों को चार से साढ़े चार साल तक की सजा हो सकती है। परिवार ने फिलहाल अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी है। इस पूरे अदालती प्रकरण में परिवार पर जो आरोप लगे हैं वे काफी गंभीर हैं।

कर्मचारियों से अमानवीय व्यवहार करने के आरोप

इंडसइंड बैंक और अशोक लीलैंड जैसे नामी ब्रांड्स का स्वामित्व रखने वाला हिंदुजा परिवार के कुछ सदस्यों पर अभियोजकों ने आरोप लगाया कि हिंदुजा बंधुओं में से एक और उनके परिवार ने कर्मचारियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया। इन कर्मचारियों को भारत से जिनेवा स्थित पारिवारिक विला में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने के लिए ले जाया गया था।

अदालत में परिवार पर आरोप लगे हैं कि कर्मचारियों के साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए उन्हें मामूली वेतन के एवज में रोजना 17 से 18 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार परिवार के सदस्यों ने अपने पालतू कुत्तों पर साल में जितना खर्च किया उससे भी कम पैसे अपने घरेलू सहायकों को वेतन के रूप में दिए। अदालत ने इस मामले में हिंदुजा बंधुओं को स्वार्थी करार दिया।

अदालत ने प्रकाश हिंदुजा और उनकी पत्नी कमल हिंदुजा को चार-चार साल और छह महीने जेल की सजा सुनाई जबकि उनके बेटे अजय और नम्रता को चार-चार साल की सजा सुनाई। हालांकि, अदालत ने उन्हें मानव तस्करी के अधिक गंभीर आरोप से बरी कर दिया। हिंदुजा परिवार की कुल संपत्ति करीब 20 अरब डॉलर है और वे 38 देशों में तेल एवं गैस से लेकर बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक के कारोबार चलाते हैं। अभियोजकों का आरोप- कर्मचारियों का पासपोर्ट भी जब्त किया गया मुकदमे के दौरान अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि हिंदुजा बंधुओं ने अपने कर्मचारियों को एक दिन में 18 घंटे तक काम करने के लिए केवल 8 डॉलर (660 रुपये) का भुगतान किया। यह राशि स्विस कानून द्वारा अनिवार्य वेतन के दसवें हिस्से से भी कम था। अभियोजकों ने आरोप लगाया कि था परिवार ने अपने कर्मचारियों के पासपोर्ट भी जब्त कर लिए थे और विला के बाहर निकलने की अनुमति भी शायद ही कभी दी गई।

उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि परिवार ने अपने नौकरों की तुलना में अपने कुत्ते पर अधिक खर्च किया। स्विस अभियोजक यवेस बर्टोसा ने कहा था कि उनका खर्च हर साल अपने कुत्ते पर लगभग 8,584 स्विस फ्रैंक (8 लाख रुपये) था, जबकि उनके कुछ कर्मचारी प्रति दिन केवल 7 स्विस फ्रैंक (660 रुपये) के लिए सप्ताह के सातों दिन 18 घंटे तक काम करते थे।

हिंदुजा बंधुओं ने आरोपों से इनकार किया था और कहा था कि उनके कर्मचारी स्वतंत्र रूप से विला छोड़ सकते हैं और उन्हें पर्याप्त लाभ मिल सकते हैं। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि कर्मचारी उन्हें बेहतर जीवन की पेशकश देने के लिए हिंदुजा के आभारी थे। परिवार ने एक बयान में कहा कि वे फैसले से स्तब्ध हैं और उन्होंने ऊपरी अदालत में चुनौती दी है।

यूलिप को निवेश बता नहीं बेच सकेंगी बीमा कंपनियां, इरडा की सख्ती; देनी होगी जोखिम की जानकारी

नई दिल्ली ।
भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक लगा दी है। इसका मतलब है कि बीमा कंपनियां अब यूलिप को निवेश उत्पाद के रूप में नहीं बेच सकेंगी। बीमा नियामक ने 19 जून के मास्टर सर्कुलर में कहा, 'यूनिट-लिंक्ड' या 'इंडेक्स-लिंक्ड' बीमा उत्पादों का निवेश उत्पाद के रूप में विज्ञापन नहीं किया जाएगा। कंपनियों को स्पष्ट रूप से यह बताना होगा कि बाजार से जुड़ी बीमा योजनाएं पारंपरिक एन्डॉमेंट पॉलिसियों से भिन्न हैं और उनमें जोखिम भी होता है। इरडा ने कहा, परिवर्तनीय सालाना भुगतान विकल्प के साथ लिंक्ड बीमा और वार्षिकी उत्पादों के सभी विज्ञापनों में जोखिम कारकों का खुलासा करना होगा। बोनस में खेल नहीं कर पाएंगी कंपनियां इरडा में सर्कुलर में कहा, सभी विज्ञापनों में यह बताना होगा कि उत्पाद के बोनस या पिछले प्रदर्शन को भविष्य के लिए गारंटी नहीं माना जा सकता है। यानी अगर किसी प्लान ने पिछले पांच साल में 25 फीसदी रिटर्न दिया हो तो वह अगले पांच साल में भी 25 फीसगी रिटर्न देगा, कंपनियां ऐसा दावा नहीं कर सकेंगी।

विज्ञापन में लाइफ कवर के बारे में बताना जरूरी

सर्कुलर में कहा गया है कि सभी बीमा कंपनियां मौजूदा या नए इंश्योरेंस उत्पाद के तहत यूनिट-लिंक्ड फंड्स या इंडेक्स-लिंक्ड फंड्स के विज्ञापन में लाइफ कवरेज और इससे जुड़े उत्पाद के बारे में बताएंगी। इसके बिना कंपनियों की ओर से कोई कोई प्रेस रिलीज और बयान जारी नहीं किया जाएगा। यूलिप ऐसे उत्पाद होते हैं, जिनमें शेयर बाजार में निवेश किया जाता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर पर पहुंचा, आंकड़े जारी

नई दिल्ली ।
रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 14 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.09 अरब डॉलर घटकर 574.24 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जून को समाप्त सप्ताह में 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.30 अरब डॉलर के उछाल के साथ 655.82 अरब डॉलर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 14 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.09 अरब डॉलर घटकर 574.24 अरब डॉलर रही। डॉलर के

संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.01 अरब डॉलर घटकर 55.97 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.11 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 24.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.58 अरब डॉलर हो गई।

विनिर्माण-सेवा क्षेत्र में कर्मचारियों की नियुक्ति 18 साल में सर्वाधिक, इस वर्ष सबसे तेज बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।
एचएसबीसी में वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में बढ़त होने के कारण संयुक्त पीएमआई में जून में बढ़ी है। जून में लगातार 22वें महीने नए निर्यात ऑर्डर बढ़े और मजबूत बने रहे। हालांकि पिछले महीने रिकॉर्ड वृद्धि के बाद गति थोड़ी कम हो गई।

देश के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में जून में बढ़त हुई है। इस वजह से कर्मचारियों की नियुक्तियां अप्रैल, 2006 के बाद सबसे तेज गति से बढ़कर 18 वर्ष के उच्चस्तर पर पहुंच गई हैं। एचएसबीसी के पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बिक्री और नए ऑर्डर बढ़ने के कारण रोजगार में बढ़त देखने को मिली है। सेवा क्षेत्र का पीएमआई इस साल जून में बढ़कर 60.4 हो गया है, जो मई 2024 में 60.2 पर था। विनिर्माण पीएमआई जून में बढ़कर 58.5 हो गया है, जो पिछले महीने 57.5 पर था। मई में विनिर्माण गतिविधियां गिरकर तीन महीने के निचले स्तर 57.5 पर पहुंच गई थी। इसकी

वजह भारी गर्मी थी, जिसके कारण वॉल्यूम पर असर हुआ।

कड़ी प्रतिद्वंदिता और गर्मी के कारण सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में गिरकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई थी। इनपुट लागत में आई कमी सर्वे में भाग लेने वाले पैनलिस्ट ने कहा, जून में इनपुट की लागत में कमी आई है। हालांकि, मजदूर और कच्चे माल की लागत अभी भी बढ़ी हुई है। विनिर्माण कंपनियां उच्च लागत को अपने ग्राहकों तक आसानी से स्थानांतरित कर रही हैं।

अदाणी समूह अगले दशक में ऊर्जा परिवर्तन व डिजिटल इंफ्रा पर करेगा 100 बिलियन डॉलर खर्च : जेफरीज

अहमदाबाद ।
रिसर्च ग्रुप जेफरीज की आई रिपोर्ट में कहा गया है कि अदाणी समूह अगले दशक में ऊर्जा परिवर्तन परियोजनाओं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर 100 बिलियन डॉलर खर्च कर सकता है। यह बात आई जेफरीज की रिपोर्ट में कही गई है। निवेशकों की बैठक में अदाणी समूह के प्रबंधन ने वित्त वर्ष 24 में मजबूत परिचालन प्रदर्शन, पांच वर्षों के लिए 27 प्रतिशत सीएजीआर और व्यवसाय में सर्वाधिक लाभ की रूपरेखा तैयार की।

अदाणी पोर्टफोलियो ने वित्त वर्ष 24 में 10 बिलियन डॉलर का ईबीआईटीडीए (परिचालन आय सहित) हासिल किया। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 40 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, 80 प्रतिशत से अधिक ईबीआईटीडीए इंफ्रा-संबंधित व्यवसाय से आया है। प्रबंधन ने व्यवसायों के लिए कर के बाद उच्च नकदी (एफएफओ) से ईबीआईटीडीए अनुपात के बारे में भी बात की। इसमें परिचालन से प्राप्त धन (एफएफओ) सभी ऋण परिपक्वताओं को कवर करने के लिए पर्याप्त है।

कंपनी के अनुसार, अनुबंधित ईबीआईटीडीए कुल समूह ईबीआईटीडीए का 80 प्रतिशत है और

नकद भंडार उधार के 20 प्रतिशत से अधिक है, जो समूह के नकदी प्रवाह और सिस्टम जोखिम के समाधान में मदद करता है। रिपोर्ट में कहा गया है, प्रबंधन समूह स्तर पर पुनर्वित्त जोखिम नहीं देखता है। यह भी कहा कि दर और विदेशी मुद्रा अस्थिरता के बावजूद प्रभावी पूंजी प्रबंधन योजना दर वृद्धि के साथ प्रोफाइल स्थिरता में परिलक्षित हुई है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो समूह देश भर में उपभोक्ताओं के साथ कई टचपॉइंट स्थापित करने में सक्षम रहा है। जेफरीज के अनुसार, समूह को जनसांख्यिकीय लाभांश दिखने की उम्मीद है, अदाणी के मुख्य इंफ्रा प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ता आधार पहले से ही 350 मिलियन यूजर्स को पार कर चुका है।

इसमें कहा गया है, समूह मध्यम अवधि में इसका लाभ उठाने की कोशिश करेगा। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए, जीएच2 (ग्रीन हाइड्रोजन) परियोजनाएं समूह का सबसे अधिक पूंजीगत व्यय वाला उपक्रम होगा।रिपोर्ट में कहा गया है, हवाई अड्डे के कारोबार को यातायात और गैर-हवाई प्रवृत्तियों में वृद्धि से लाभ मिलना चाहिए। कंपनी का लक्ष्य भारत के हवाई अड्डे के निजीकरण योजना के तहत नए हवाई अड्डों के लिए बोली लगाना है।

हाल ही में एक तांबे की परियोजना शुरू की गई और कोयले से पीवीसी परियोजना पर काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, प्रबंधन को पूंजीगत व्यय के दौरान शुद्ध ऋण/ईबीआईटीडीए के साथ 5 गुना से अधिक नहीं दिख रहा है। अंबुजा सीमेंट्स के लिए, कंपनी ने दोहराया कि वित्त वर्ष 28 तक 140 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की समयसीमा पटरी पर है और कंपनी 1,500 रुपये ईबीआईटीडीए/टी का मार्गदर्शन जारी रखे हुए है। जेफरीज ने कहा, कंपनी वित्त वर्ष 28 तक 3,650 रुपये प्रति टन (वर्तमान से 500 रुपये प्रति टन से भी कम) की उत्पादन लागत तक पहुंचने की उम्मीद कर रही है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ होगी। कंपनी मध्यम अवधि में अपनी सभी सीमेंट कंपनियों को एक ही मद में समेकित करने की योजना बना रही है, और सबसे बेहतर ढांचे की पहचान करने के लिए काम कर रही है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) के लिए, कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 26ई तक 170 अरब रुपये की निर्माणाधीन ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों को चालू करना है। कंपनी ने 12-15 महीनों में 1.1 ट्रिलियन रुपये की टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली पाइपलाइन का संकेत दिया, इसमें एईएसएल की 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है।

इस बीच, अदाणी ग्रीन ने मार्च में 10.9 गीगावाट की क्षमता स्थापित की थी, और 11 गीगावाट की अन्य परियोजनाएं निष्पादन के अधीन हैं। कंपनी का वित्त वर्ष 25ई और वित्त वर्ष 26ई में प्रति वर्ष 6-8 गीगावाट क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रबंधन ने वित्त वर्ष 30 तक क्षमता को 50 गीगावाट तक बढ़ाने के अपने रुख को दोहराया है, इसमें 5 गीगावाट पंप हाइड्रो परियोजना भी शामिल है।

आईएल टी20 सत्र 3 के लिए रसेल नारायण, वार्नर सहित 69 खिलाड़ी रिटेन

दुबई।
आईएल टी 20 के तीसरे सत्र से पहले 69 खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है जिसमें आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, निकोलस पूरन, डेविड वार्नर और मोहम्मद आमिर शामिल हैं। टूर्नामेंट का तीसरा सत्र 11 जनवरी 2025 से शुरू होगा और नौ फरवरी तक अबू धाबी, दुबई और शारजाह में खेला जाएगा।

रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों के लिए विंडो एक जून को खुली थी और टीमों को रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की सूची जमा कराने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया था। गत चैंपियन एमआई अमीरात ने कप्तान पूरन, ड्वेन ब्रावो, अकील हुसैन, कीरोन पोलार्ड और फ़ज़लहक फारूकी को रिटेन किया है जबकि ट्रेंट बोल्ट को रिटेन नहीं किया है। अबू धाबी नाइट राइडर्स ने कप्तान नारायण और रसेल के साथ-साथ यूएसए के डेविड विली, चरित असालंका, अली खान और एंड्रीज़ गौस जैसे खिलाड़ियों को बरकरार रखा है।

डेजर्ट वाइपर ने आमिर, वानिंदु हसरंगा, एलेक्स हेल्स और आजम खान को बरकरार रखा है। हालाँकि, उनकी रिटेनशन सूची से उल्लेखनीय रूप से तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी और मथीशा पथिराना को बाहर रखा गया है। कप्तान वार्नर के नेतृत्व वाली दुबई कैपिटल्स ने रोवमैन पॉवेल, सैम बिलिंग्स और जेक फ्रेजर-मैकगर्क सहित प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इंग्लैंड के जो रूट और मार्क वुड, जो पिछले साल उनकी टीम का हिस्सा थे, को बरकरार नहीं रखा गया है।

गल्फ जाइंट्स ने शिमरॉन हेटमायर और कप्तान जेम्स विंस को बरकरार रखा है, जबकि यूएसए के सौरभ नेत्रवलकर और अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान को जगह नहीं मिली है। शारजाह वॉरियर्स ने अपने आठ रिटेन खिलाड़ियों में कुसल मेंडिस, कप्तान टॉम कोहलर-कैडमोर और जॉनसन चार्ल्स को रिटेन किया है। छह फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक ने यूएई के दो-दो खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। सीजन 3 के लिए बरकरार रखे गए यूएई के खिलाड़ियों में आदित्य शेट्टी और अलीशान शराफू (अबू धाबी नाइट राइडर्स), अली नसीर और तनिष सूरी (डेजर्ट वाइपर), हैदर अली और राजा आकिफ (दुबई कैपिटल्स), अयान अफजल खान और मोहम्मद ज़ोहैब जुबैर (गल्फ जाइंट्स), मुहम्मद रोहिद खान और मुहम्मद वसीम (एमआई अमीरात), जुनैद सिद्दीकी और मुहम्मद जवादुल्लाह (शारजाह वारियर्स) शामिल हैं।

टीमें अब चल रही खिलाड़ी अधिग्रहण विंडो में नए खिलाड़ियों को साइन कर सकती हैं जो 15 सितंबर तक खुली रहेंगी। अक्टूबर में आयोजित होने वाले आईएल टी20 विकास टूर्नामेंट के पूरा होने के बाद फ्रेंचाइजी को चार यूएई हस्ताक्षरों का अपना कोटा भी पूरा करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

एआईएफएफ ने दी पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक को चेतावनी, कहा- सभी टिप्पणियों का अगले 48 घंटे में देंगे जवाब

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमैक और अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के बीच विवाद कम नहीं हो रहा है। दिग्गज ने हेड कोच पद से बर्खास्त किए जाने के बाद एआईएफएफ को चेतावनी दी है कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। इसके अलावा स्टिमैक ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे पर भड़ास निकालते हुए उनका अनुबंध कई बार तोड़ने का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफायर में भारत के दूसरे दौर से आगे नहीं जा पाने के लिए चौबे को ही जिम्मेदार ठहराया। अब बोर्ड ने उन्हें अगले 48 घंटे में कार्रवाई की चेतावनी दी है। कुवैत के खिलाफ हारा भारत दरअसल, हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। एआईएफएफ ने दी चेतावनी एआईएफएफ ने स्टिमैक की प्रेस कांफ्रेंस के बाद जारी एक बयान में कहा, हमारे संज्ञान में आया है कि भारतीय पुरुष टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने एआईएफएफ और उसके कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज से संबंधित मीडिया में कुछ टिप्पणियां की हैं। एआईएफएफ अगले 48 घंटों में इस संबंध में एक बयान जारी करेगा।

पिछड़ने के बाद यूक्रेन ने की वापसी स्लोवाकिया को हराकर अगले दौर में पहुंचने की संभावना बरकरार रखी

नई दिल्ली। रोमन यारेमचुक के गोल की बदौलत यूक्रेन ने शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया को यूरोपीय चैंपियनशिप 2024 (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 2-1 से हराया। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है। यूक्रेन की तीसरी जीत यूक्रेन की यह 2024 में चार प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करते हुए तीसरी जीत है। रोमानिया से मिली 0-3 की हार के कारण खराब गोल अंतर से यूक्रेन नाजुक स्थिति में था और एक और हार उसे बाहर होने की कगार पर भेज सकती थी। तेज बारिश में खेलते हुए स्लोवाकिया ने 17वें मिनट में इवान शरांज के हेडर से किए गए गोल से बढ़त बना ली थी।

क्वींस क्लब की चोट के बाद एंडी मरे की होगी पीठ की सर्जरी

नई दिल्ली। दो बार के विंबलडन चैंपियन एंडी मरे विंबलडन टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक 9 दिन पहले पीठ की सर्जरी से गुजरेंगे। इस बात की जानकारी उनकी मैनेजमेंट टीम की ओर दी से गई। विंबलडन 1 जुलाई से शुरू हो रहा है। एंडी मरे को क्वींस क्लब

चैंपियनशिप में दूसरे दौर के मैच के दौरान चोट लगने के कारण पीठ की सर्जरी करानी होगी। मरे विंबलडन 2024 से पहले फिट होने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि यह काफी मुश्किल लगता है। एंडी मरे की मैनेजमेंट टीम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, विंबलडन में उनके खेलने पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। एंडी की पीठ की सर्जरी होगी। इस सर्जरी के बाद ही उनके भविष्य को लेकर अधिक जानकारी दी जाएगी। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ पहले सेट में 4-1 से पिछड़ने के बाद लंदन टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। यह मरे के शानदार करियर में एक और झटका है, जो शारीरिक चुनौतियों से भरा रहा है। मरे का पीठ की सर्जरी करवाने का फैसला उनकी स्थिति की गंभीरता और उनके शीर्ष फॉर्म में लौटने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके प्रशंसक और साथी खिलाड़ी उनकी तेज रिकवरी की दुआ और उम्मीद करेंगे कि वह कोर्ट पर जल्द कमबैक करेंगे।

इंग्लैंड से हारा हुआ मैच जीती साउथ अफ्रीका

18 गेंद में 25 रन चाहिए थे; रबाडा यानसन और नॉर्त्या ने बनने नहीं दिए

सेंट लूसिया।
टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 राउंड में एक और बेहद रोमांचक मैच देखने को मिला। आखिरी ओवर तक दोनों टीमों के चांस बराबर थे, कोई भी जीत सकता था, लेकिन बाजी मारी साउथ अफ्रीका ने। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड यह मुकाबला महज 7 रनों से हार गई।

एक समय टीम को जीत के के लिए 18 बॉल में 25 रन बनाने थे और ब्रूक-लिविंग्सटन की जोड़ी 41 बॉल पर 78 रन की साझेदारी कर चुकी थी। ऐसे में कगिसो रबाडा ने 18वें ओवर की दूसरी बॉल पर पार्टनरशिप ब्रेक की और लिविंग्सटन को पवेलियन भेजा। साथ ही, उन्होंने इस ओवर में महज 4 रन दिए।

अगला ओवर लेकर आए मार्को यानसन ने महज 7 रन दिए। इसके बाद आखिरी ओवर में इंग्लैंड को जीत के लिए 14 रन बनाने थे। फिर भी इंग्लैंड की उम्मीदें जिंदा थीं, क्योंकि हैरी ब्रूक क्रीज पर थे और फिफ्टी पूरी कर चुके थे। एनरिक नॉर्त्या ने आखिरी ओवर की पहली बॉल पर उन्हें चलता किया और अंग्रेजों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नॉर्त्या ने आखिरी ओवर में महज 6 रन दिए।

1. मैच विनर- क्विंटन डी कॉक

प्लेयर ऑफ द मैच रहे डी कॉक ने 38 बॉल पर 65 रन की पारी खेलकर साउथ अफ्रीकी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले के शुरुआती 3 ओवर रुक कर बल्लेबाजी की और आखिरी 3 ओवर में तेजी से रन बनाए। डी कॉक की इस पारी ने अंतर पैदा किया और 163 रन के स्कोर की नींव रखी। उन्होंने रीजा हेंड्रिक्स के साथ 59 बॉल पर 86 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। उन्होंने 171.05 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। डी कॉक की पारी में 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

2. जीत के हीरो

कगिसो रबाडा - अपने पहले और पारी के दूसरे ओवर में फिल सॉल्ट को पवेलियन भेजा और फिर 18वें ओवर में लियाम लिविंग्सटन को आउट करके 78 रन की पार्टनरशिप ब्रेक की। यहीं से मोमेंटम साउथ अफ्रीका की ओर शिफ्ट हुआ। रबाडा ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 8.00 की इकोनॉमी से महज 32 रन दिए।

केशव महाराज - किफायती गेंदबाजी की और जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो को आउट करके मिडिल ओवर्स में इंग्लिश बैटर्स पर दबाव बनाया। उन्होंने 4 ओवर में 6.20 की इकोनॉमी से 25 रन दिए और 2 विकेट भी चटकाए।

एनरिक नॉर्त्या - आखिरी ओवर में जीत के लिए 14 रन चाहिए थे। ऐसे में फिफ्टी बना चुके हैरी ब्रूक को पहली बॉल पर पवेलियन भेज दिया और अपनी टीम की जीत लगभग तय कर दी। उन्होंने 4 ओवर में 8.80 की इकोनॉमी से 35 रन देकर 1 विकेट लिया।

डेविड मिलर - 92 के स्कोर पर डी कॉक के आउट होने के बाद खेलने उतरे और मोर्चा संभाला। मिलर ने 28 बॉल पर 153.57 के स्ट्राइक रेट से 43 रन बनाए। उन्होंने स्टब्स के साथ 27 बॉल पर 47 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 150 पार पहुंचाया। मिलर की पारी के दम पर साउथ अफ्रीकी टीम 163 के स्कोर तक पहुंच सकी। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।

3. टर्निंग पॉइंट

नॉर्त्या की बॉल पर मार्करम का कैच आखिरी ओवर में इंग्लैंड को 14 रन की जरूरत थी और हैरी ब्रूक स्ट्राइक पर थे। एनरिक नॉर्त्या की पहली बॉल पर ब्रूक ने मिड ऑफ की दिशा में शॉट खेला, जहां ऐडन मार्करम ने पीछे दौड़ते हुए शानदार कैच पकड़ा। यहां ब्रूक 53 रन बनाकर आउट हुए। नए बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर और सैम करन बाकी के रन नहीं बना सके। लियाम लिविंग्सटन का विकेट 164 रन चेज कर रही इंग्लैंड की टीम 17 ओवर में 4 विकेट पर 139 रन बना चुकी थी और ब्रूक-लिविंग्सटन की जोड़ी ने पिछला ओवर डाल रहे ओटनील बार्टमैन पर 3 चौके और एक छक्के के सहारे 21 रन बनाए थे। कगिसो रबाडा ने 18वां ओवर डाला। इसकी दूसरी बॉल पर लिविंग्सटन आउट हो गए। यहीं से मैच साउथ अफ्रीका की ओर जाने लगा। पावरप्ले में फिल सॉल्ट का विकेट पारी के दूसरे ओवर में फिल सॉल्ट आउट हो गए। सॉल्ट के आउट होने के बाद इंग्लिश बैटर्स दबाव में आ गए और पावरप्ले में 41 रन ही बना सके।

4. हार के कारण

धीमी बल्लेबाजी, 10 ओवर में 60 रन ही बनाए पावरप्ले में दो विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड के बैटर दबाव में आ गए और धीमी बल्लेबाजी करने लगे। आलम यह था कि 4.2 ओवर के बाद 11.4 ओवर के बीच 7 ओवर में कोई बाउंड्री नहीं लगी। 12 ओवर के बाद टीम का स्कोर 72 रन था, यानी कि टीम 6 के रन रेट से रन बना रही थी। डी कॉक का कैच ड्रॉप हुआ साउथ अफ्रीकी पारी के 9वें ओवर में क्विंटन डी कॉक को जीवनदान मिला। आदिल रशीद की बॉल पर मार्क वुड कैच फिनिश नहीं कर सके। थर्ड अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद डी कॉक को नॉटआउट करार दिया। टॉप ऑर्डर के बैटर फेल रहे रन चेज में इंग्लैंड का टॉप ऑर्डर फेल रहा। टीम के टॉप-4 बैटर्स 20 रन का स्कोर पार नहीं कर सके। सॉल्ट ने 11, बटलर ने 17, बेयरस्टो ने 16 और मोइन अली ने 9 रन बनाए।

5. फाइटर ऑफ मैच

हैरी ब्रूक फाइटर ऑफ द मैच रहे। रन चेज कर रही इंग्लैंड ने 61 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया। ऐसे में ब्रूक ने 37 बॉल पर 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने लिविंग्सटन के साथ 78 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम को जिता नहीं सके।

डीएसए ए डिवीजन लीग: नोएडा सिटी और एम 2 एम का विजय अभियान जारी

नई दिल्ली।
कुशाग्र चौधरी ने धमाकेदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए नेहरू स्टेडियम में खेली जा रही डीएसए ए डिवीजन लीग के सुपर सिक्स में शानदार हैट्रिक जमाई। बंगदर्शन फुटबाल क्लब के विरुद्ध 3 -1 की जीत में कुशाग्र ने तीनों गोल जमा कर एम 2 एम को पूरे अंक दिलाए। एम 2 एम ने दूसरी जीत के साथ छह अंक जुटा लिए हैं। पराजित टीम का इकलौता गोल गगन सिंह पवार ने किया।

एक अन्य मुकाबले में नोएडा सिटी एफसी ने हॉप्स एफसी को कड़े संघर्ष में 2-1 से हरा कर लगातार दूसरा मैच जीता। विजेता के लिए प्लेयर ऑफ द मैच वाजिद अली और पवन प्रताप सिंह ने गोल दागे। पराजित टीम का गोल विश्वजीत जेना ने पेनल्टी पर किया।

नोएडा सिटी और हॉप्स के मध्य खेले गए मैच में रफ टफ खेल के साथ साथ खेल कौशल भी देखने को मिला लेकिन पहले गोल के लिए 75 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। नोएडा सिटी एफसी के लिए वाजिद अली ने प्रतिद्वंद्वी रक्षकों को चकमा देते हुए अपनी टीम का खाता खोला। लेकिन छह मिनट बाद विश्वजीत जेना ने पेनल्टी पर बेहतरीन गोल से हिसाब चुकता कर दिया। लंबी सीटी बजने से कुछ पहले मिली पेनल्टी पर पवन प्रताप ने एक बार चूकने के बाद बाल को गोल में डाल कर नोएडा सिटी को दूसरा मैच जिता दिया।

मांजरेकर और कुंबले ने बुमराह को शीर्ष स्तर का गेंदबाज बताया

ब्रिजटाउन।
संजय मांजरेकर और अनिल कुंबले सहित कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारतीय टीम भाग्यशाली जो उसके पास बुमराह जैसा शीर्ष स्तर का तेज गेंदबाज है। मांजरेकर का मानना है कि बुमराह अन्य गेंदबाजों से कहीं आगे हैं। मांजरेकर ने कहा, 'दुनिया के बाकी शीर्ष गेंदबाजों को देखें तो बुमराह और उनमें काफी अंतर है। वहीं पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कहा, 'अपनी गेंदबाजी को वह काफी अच्छी प्रकार से समझता है, वह पता चलता है। उसने हर बल्लेबाज के खिलाफ अध्ययन कर रखा है और रणनीति पर सटीक अमल कर रहा है। यह आसानी से नहीं होता। पूरे विश्वकप टूर्नामेंट में उसकी गेंदों पर बहुत कम चौके छक्के लगे हैं। वहीं इससे पहले स्पिनर अक्षर पटेल ने बुमराह का विश्वस्तरीय गेंदबाज बताते हुए कहा कि उसको बताने की जरुरत नहीं पड़ती। वह जानता है कि कब क्या करना है। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को लेकर कहा कि उसके रहने से विश्वकप में भारतीय टीम को लाभ हुआ है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का दावा मजबूत करने उतरेगा, स्वदेशी खेलों को शामिल करने का प्रयास

नई दिल्ली।
भारत की नजरें 2036 में होने वाले ओलंपिक की मेजबानी पर टिकी हुई है और भारतीय खेल प्रशासक अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपि के दौरान इसके के लिए कड़ी लॉबिंग करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ने ओलंपिक मेजबानी का दावा करने से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट नए खेल मंत्री मनसुख मांडविया के सामने पेश की। एमओसी ने अपनी इस रिपोर्ट में उन छह खेलों का जिक्र किया है जिन्हें भारत को मेजबानी मिलने पर ओलंपिक में शामिल किया जा सकता है। इन खेलों में योग, खो-खो, कबड्डी, शतरंज, टी20 क्रिकेट और स्क्वाश शामिल हैं। भारत अगर मेजबानी हासिल करने में सफल रहता है तो वह योग, खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों को भी इसमें शामिल करने का प्रयास करेगा।

मेजबानी अधिकार को नहीं दिया गया अंतिम रूप

अभी खेलों के मेजबानी अधिकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और ऐसे में मेजबान देश की प्राथमिकताओं पर बाद में चर्चा की जाएगी।

आईओसी अध्यक्ष के अगले साल होने वाले चुनाव के बाद ही इस पर फैसला किए जाने की संभावना है। भारत अगर मेजबानी हासिल करता है तो प्रस्तावित खेलों को इससे पहले 2032 में ब्रिस्बेन में होने वाले ओलंपिक खेलों के दौरान प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया जाएगा। इसी के बाद इन खेलों को ओलंपिक में शामिल करने पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल मुंबई में आईओसी कांग्रेस के दौरान कहा था कि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का इच्छुक है।

पेरिस ओलंपिक के बाद होगी चर्चा

एमओसी के एक सीनियर सदस्य ने कहा, हमने नए खेल मंत्री से मुलाकात की और उन्हें रिपोर्ट सौंपी। उन्होंने कहा कि उन्हें इसको पढ़ने में कुछ दिन लगेंगे। उन्होंने हमसे एक अन्य रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी कहा कि कैसे देश में खेल करियर का विकल्प बन सकते हैं और किस तरह से युवाओं में खेल के प्रति दिलचस्पी पैदा की जा सकती है।

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को 9 विकेट से हराया

सेमीफाइनल की रेस में बरकरार; होप ने नाबाद 82 रन बनाए, चेज ने 3 विकेट लिए

नई दिल्ली।
वेस्टइंडीज ने आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 सुपर-8 के छठे मुकाबले में अमेरिका को 9 विकेट से हरा दिया। इस जीत से विंडीज सेमीफाइनल की रेस में बरकरार है। सुपर 8 के दूसरे ग्रुप में साउथ अफ्रीका 4 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद वेस्टइंडीज दूसरे तो इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के 2 मैचों में 2-2 पॉइंट्स हैं हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते विंडीज इंग्लैंड से ऊपर है। वेस्टइंडीज ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया और अमेरिका को 19.5 ओवर में 128 रन पर ऑलआउट कर दिया। 129 रन का टारगेट वेस्टइंडीज ने 10.5 ओवर में ही चेज कर लिया।

1. मैच विनर

वेस्टइंडीज की जीत में बॉलर्स का अहम योगदान रहा। यूएसए ने मैच में शुरुआत अच्छी की, लेकिन पावरप्ले के बाद रोस्टन चेज ने उन्हें

बैकफुट पर धकेल दिया। चेज ने 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

2. ग्राफिक्स में मैच के हीरोज

टर्निंग पॉइंट मैच का टर्निंग पॉइंट रोस्टन चेज का स्पेल रहा। चेज ने अपने स्पेल में तीन विकेट झटके। उन्होंने 10वें ओवर में पहले कप्तान एरोन जोन्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने इसके बाद 14वें ओवर में अमेरिका को दो लगातार झटके दिए। ओवर की दूसरी बॉल पर कोरी एंडरसन और तीसरी बॉल पर हरमीत सिंह को आउट किया। इन झटकों के बाद यूएसए मैच में वापसी ही नहीं कर सका।

फाइटर ऑफ द मैच

एंड्रियस गॉस ने अपनी टीम को 128 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने अमेरिका के लिए सबसे ज्यादा 29 रन बनाए। इस दौरान 16 गेंदों का सामना करते हुए तीन चौके और एक सिक्स लगाया।

अमेरिका की पारी

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी अमेरिका की ओर से एंड्रियस गॉस 29, नीतीश कुमार 20, मिलिंद कुमार 19 और अली खान ने 14 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से आंद्रे रसेल और रोस्टन चेज ने 3-3 विकेट लिए। अल्जारी जोसेफ ने 2 विकेट झटके। गुडाकेश मोती को एक विकेट मिला। वहीं मिलिंद कुमार रन आउट हुए।

वेस्टइंडीज की पारी

टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की ओर से शाई होप ने 39 बॉल पर नाबाद 82 रन की पारी खेली। यह उनका चौथा टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक है। निकोलस पूरन ने नाबाद 27 रन बनाए। वहीं जॉनसन चार्ल्स 15 रन बनाकर आउट हुए। अमेरिका की ओर से इकलौता विकेट हरमीत सिंह ने लिया। होप और चार्ल्स के बीच 67 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई। वहीं दूसरे विकेट के लिए होप और पूरन ने नाबाद 63 रन जोड़े।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

वेस्टइंडीज: रोवमेन पॉवेल (कप्तान), शाई होप, जॉनसन चार्ल्स, निकोलस पूरन (विकेट कीपर), रोस्टन चेज, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, ओबेद मैकॉय, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ और गुडाकेश मोती।

अमेरिका: एरोन जोन्स (कप्तानी), स्टीवन टेलर, एंड्रियस गॉस, नीतीश कुमार, कोरी एंडरसन, मिलिंद कुमार, हरमीत सिंह, नॉस्थुश केंजीगे, शैडली वैन शल्कविक, अली खान और सौरभ नेत्रवल्कर।

ऐसे डिवाइस का इस्तेमाल खतरनाक

इन दिनों तकनीक की मदद से हमारे कई काम आसान होते जा रहे हैं। लेकिन, कई बार तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हमारे लिए खतरनाक भी साबित हो जाता है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, ड्राइविंग के वक्त हैंड्स-फ्री डिवाइस का इस्तेमाल भी काफी खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर ड्राइविंग के वक्त मोबाइल फोन पर बात करने के लिए कई लोग हैंड्स-फ्री का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन, इस अध्ययन में कहा गया है कि हैंड्स-फ्री डिवाइस के इस्तेमाल से भी ड्राइवर का ध्यान भंग हो सकता है। भारत में भी ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत करना गैरकानूनी है लेकिन, ज्यादातर लोग ड्राइविंग के दौरान हैंड्स-फ्री पर बात करते हैं। भारत में सड़क दुर्घटना में कई लोगों को जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में इस अध्ययन के सामने आने से इस मुद्दे पर और गंभीर रूप से विचार करने की जरूरत है।

ड्यूक 390 अगले साल तक

ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम अपना ड्यूक 390 नेक्स्ट-जनेरेशन मॉडल अगले साल तक भारत में लॉन्च करेगी। हाल ही में इस ड्यूक की तस्वीरें यूरोप में टेस्टिंग के दौरान सामने आई है। केटीएम ड्यूक 390 के इस नए मॉडल में कई बदलाव नजर आ रहे हैं, साथ ही बाइक की स्टाइलिंग में काफी बदलाव किए गए हैं। बाइक के फ्यूल टैंक को बिल्कुल नया डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा हेडलाइट क्लस्टर को भी बदला है। नए केटीएम ड्यूक 390 में ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, नया स्विचगियर और एलईडी इंडिकेटर लगाए गए हैं। बाइक में सिंगल सिलिंडर इंजन लगा है, बताया जा रहा है कि इस बाइक के इंजन को भी पहले की तुलना में थोड़ा स्मूथ बनाया गया है ताकि ज्यादा वाइब्रेशन ना हो। इस नई ड्यूक 390 में पहले से बेहतर कूलिंग सिस्टम भी मौजूद है।

बीएमडब्ल्यू की स्टंट बाइक...

बीएमडब्ल्यू आगामी जी310आर बाइक भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के लिए उतार चुकी है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के दो मॉडलों को चेन्नई-बेंगलुरू हाइवे पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। आगामी मोटरसाइकिल बीएमडब्ल्यू की पहली बाइक है जिसको भारत में तैयार किया जा रहा है। इस बाइक को होसुर में टीवीएस मोटर्स के कारखाने में तैयार किया जाएगा। बीएमडब्ल्यू जी310आर को पहली बार 2016 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। उम्मीद है कि इस बाइक भारतीय बाजार में अक्टूबर, 2016 तक लॉन्च किया जाएगा। टेस्टिंग के दौरान एक दिलचस्प बात यह सामने आई कि बाइक बिना एंटी ब्रेक सिस्टम के दिखाई दी। दरअसल कंपनी किफायती दाम में बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। इसलिए भारतीय बाजार में इसके दो वेरिएंट लॉन्च हो सकते हैं। इसके अलावा परीक्षक सवार के अनुसार, बीएमडब्ल्यू जी310आर की टॉप स्पीड 170 किलोमीटर प्रति घंटा है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के माइलेज की बात करें तो यह 25 से28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। हालांकि यह आंकड़े अभी केवल अटकलें हैं। यह एक स्टंट बाइक है जिसको चार बार विश्व स्टंट बाइक चैंपियन रहे चुके क्रिस फीफर के सुझाव के साथ तैयार किया गया है। इस बाइक के ज्यादातार फीचर्स स्टंट के ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

ये नियम हैं फायदे के...

शास्त्रों के अनुसार निर्धारित नियमों का पालन करने से घर-परिवार को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें करते रहने से घर में ऊपरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती। सर्वप्रथम तुलसी को घर में स्थापित करें क्योंकि तुलसी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और भारत के हर भाग में सहज उपलब्ध हैं। जिस घर में तुलसी का पौधा नहीं, वह घर सूना समझा जाता है। तुलसी का स्पर्श कर घर में प्रवेश करने वाली वायु साक्षात अमृत होती है। दैहिक स्वास्थ्य को सिद्ध करती है। प्रतिदिन तुलसी को जल चढ़ाने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है अपितु इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि करते हैं। घर में मंदिर की स्थापना करने से पूर्व ध्यान रखें की वहां सूर्य की रोशनी और ताजी हवा आसानी से आ जा सके। ऐसा करने से ऊपरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। जिस घर में एकाक्षी नारियल की पूजा होती है, वहां लक्ष्मी जी की कृपा होती है, अन्न व धन की कभी कमी नहीं आती। गोबर में लक्ष्मी का वास होने से इसे गोवर अर्थात गौ का वरदान कहा जाना ज्यादा उचित होगा। गोबर से लीपे जाने पर ही भूमि यज्ञ के लिए उपयुक्त होती है। गोबर से बने उपलों का यज्ञशाला और रसोई घर, दोनों जगह प्रयोग होता है। मान्यता है जिस जगह को प्रतिदिन गाय के गोबर से लीपा पोता जाता है वह जगह हमेशा पवित्र रहती है और उस स्थान में मां लक्ष्मी सर्वदा निवास करती हैं। ऐसे घर को धन-दौलत से समृद्ध करती हैं मां लक्ष्मी।

सृष्टि का सार है भस्म...

मलेशिया की एक लीडिंग यूनिवर्सिटी ने भारत में रहने वाले हिंदुओं को डर्टी और अनक्लीन बताया है। यूनिवर्सिटी के इस टीचिंग मॉड्यूल के ऑनलाइन पब्लिश होने के बाद इसे लेकर विवाद हो गया है। इसमें दावा किया गया है कि हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। सच तो यह है कि किसी भी धर्म का मर्म जाने बिना उसके बारे में कोई भी टिप्पणी करना, कोई निष्कर्ष निकालना सतही ज्ञान का प्रदर्शन करना है। यूनिवर्सिटी के विद्वानों ने गंदगी कहकर हमारी भस्म की अवधारणा के बारे में अपनी अज्ञानता का परिचय दिया है।

मलेशिया की लीडिंग यूनिवर्सिटी के मुताबिक भारत के हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। इस यूनिवर्सिटी की बात हिंदुओं द्वारा शरीर पर भस्म लगाने की ओर इशारा करती है। यूनिवर्सिटी के विद्वान भस्म को गंदगी और इसे शरीर पर लगाने को अवैज्ञानिक करार दे रहे हैं। ये विद्वान न तो भस्म के विज्ञान को समझ पाए हैं, न भस्म के अध्यात्म को औ न ही भस्म के दर्शन को। दरअसल शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है। एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाया जाता है। भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म धारण करने वाले भगवान शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

नश्वरता का आभास

भस्म यानी कुछ जलाने के बाद बची हुई राख। शिव जली हुई चिताओं के बाद बची हुई राख को भी अपने तन पर लगाते थे। इसका अर्थ पवित्रता में छिपा है, वह पवित्रता जिसे भगवान शिव ने एक मृत व्यक्ति की जली हुई चिता में खोजा है। इसे अपने तन पर लगाकर वे उस पवित्रता को सम्मान देते हैं। कहते हैं शरीर पर भस्म लगाकर भगवान शिव खुद को मृत आत्मा से जोड़ते हैं। उनके अनुसार मरने के बाद मृत व्यक्ति को जलाने के बाद बची हुई राख में उसके जीवन का कोई कण शेष नहीं रहता। न उसके दुख, न सुख, न कोई बुराई और न ही उसकी कोई अच्छाई बचती है। इसलिए वह राख पवित्र है, उसमें किसी प्रकार का गुण-अवगुण नहीं है, ऐसी राख को भगवान शिव अपने तन पर लगाकर सम्मानित करते हैं। विभूति, भस्म या पवित्र राख के इस्तेमाल के कई पहलू हैं। पहली बात, वह ऊर्जा को किसी को देने या किसी तक पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है। इसमें 'ऊर्जा-शरीर'

को निर्देशित और नियंत्रित करने की क्षमता है। इसके अलावा, शरीर पर उसे लगाने का एक सांकेतिक महत्व भी है। वह लगातार हमें जीवन के नश्वरता की याद दिलाती रहती है, मानो आप हर समय अपने शरीर पर नश्वरता ओढ़े हुए हों। 'भस्म' शब्द में 'भ' अर्थात 'भर्त्सनम्' अर्थात 'नाश हो'। 'स्म' अर्थात स्मरण। भस्म के कारण पापों का निर्दालन होकर ईश्वर का स्मरण होता है। शरीर नाशवान है । इसे निरंतर स्मरण रखने का जो प्रतीक है, वह भस्म है; ऐसा भस्म शब्द का भावार्थ है। विभूति, रक्षा एवं राख ये भस्म के समानार्थी शब्द है। अपनी आहुति देकर मनुष्य का भस्म होना, अर्थात अपनी इच्छा-आकांक्षा, दोष, अज्ञान एवं अहं का त्याग करना एवं मन की शुद्धता प्राप्त करना इसका मर्म है। मनुष्यदेह नश्वर है, इसलिए मरणोपरांत उस देह को जलकर राख होना है। इसलिए कोई भी देहासक्ति न रखें । मृत्यु किसी भी क्षण हो सकती है, यह भान रख मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए प्रत्येक क्षण को पवित्र तथा आनंदमय बनाने में प्रयत्नरत रहें, यही भस्म सूचित करती है।

शरीर मूल पदार्थ नहीं

आम तौर पर योगी श्मशान भूमि से उठाई गई राख का इस्तेमाल करते हैं। अगर इस भस्म का इस्तेमाल नहीं हो सकता, तो अगला विकल्प गाय का गोबर होता है। इसमें कुछ दूसरे पदार्थ भी इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन मूल सामग्री गाय का गोबर होती है। अगर यह भस्म भी इस्तेमाल नहीं की जा सकती, तो चावल की भूसी से भस्म तैयार की जाती है। यह इस बात का संकेत है कि शरीर मूल पदार्थ नहीं है, यह बस भूसी या बाहरी परत है। सुबह घर से निकलने से पहले, हम कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि हम अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। अगर भस्म को सही तरीके से तैयार किया जाए और हमको पता हो कि उसे कहां और कैसे लगाना है तो भस्म हमें और ग्रहणशील बनाती है। हम उसे अपने शरीर पर जहां भी लगाते हैं, वह अंग अधिक संवेदनशील हो जाता है और परम प्रकृति की ओर अग्रसर होता है। उस समय हमारा जो भी पहलू ग्रहणशील होगा, उसके आधार पर हम अलग-अलग रूपों में और अपने विभिन्न आयामों से जीवन को ग्रहण कर सकते हैं।

कहां और क्यों लगाते हैं भस्म

आपने ध्यान दिया होगा कभी आप किसी चीज को देखकर एक खास तरीके से उसका अनुभव करते हैं, फिर किसी और समय आप उसी चीज का अनुभव बिल्कुल अलग रूप में करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप जीवन को किस रूप में ग्रहण करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके उच्च पहलू ग्रहणशील हों, न कि निम्न पहलू। हमारे शरीर में, सात मूल केंद्र हैं जो जीवन का अनुभव करने के सात आयामों को दर्शाते हैं। इन केंद्रों को चक्र कहा जाता है। चक्र, ऊर्जा प्रणाली के भीतर एक खास मिलन बिंदु होते हैं। इन चक्रों की प्रकृति भौतिक नहीं, बल्कि सूक्ष्म होती है। आप इन चक्रों को अनुभव से जान सकते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को काटकर देखें, तो आपको कोई चक्र नहीं दिखेगा। जब आप तीव्रता के उच्च स्तरों की ओर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा एक चक्र से दूसरे चक्र की ओर बढ़ती है। अगर आप नीचे स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करते हैं तो जो आपका अनुभव होगा उसकी तुलना में तब आपके अनुभव और आपकी स्थिति बिल्कुल अलग होगी जब आप शरीर में ऊपर की ओर स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करेंगे। पारंपरिक रूप से थोड़ी भस्म भौंहों के बीच लगाना है, जिसे आज्ञा चक्र कहा जाता है, गले के गड्ढे में लगाना है, जिसे विशुद्धि चक्र कहा जाता है और छाती के मध्य में लगाना है, जिसे अनाहत चक्र के नाम से जाना जाता है। भारत में आम तौर पर माना जाता है कि आपको इन बिंदुओं पर विभूति जरूर लगानी चाहिए। इन खास बिंदुओं का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि विभूति उन्हें अधिक संवेदनशील बनाती है। भस्म आम तौर पर अनाहत चक्र पर इसलिए लगाई जाती है ताकि हम जीवन को प्रेम के रूप में ग्रहण कर सकें। उसे विशुद्धि चक्र पर इसलिए लगाया जाता है ताकि हम जीवन को शक्ति के रूप में ग्रहण करें, शक्ति का मतलब सिर्फ शारीरिक या मानसिक शक्ति नहीं है, इंसान बहुत से रूपों में शक्तिशाली हो सकता है। इसका मकसद जीवन ऊर्जा को बहुत मजबूत और शक्तिशाली बनाना है ताकि सिर्फ हमारी मौजूदगी ही हमारे आस-पास के जीवन पर असर डालने के लिए काफी हो, हमें बोलने या कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस बैठने से ही हम अपने आस-पास की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। एक इंसान के भीतर इस तरह की शक्ति विकसित की जा सकती है। विभूति को आज्ञा चक्र पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि हम जीवन को ज्ञान के रूप में ग्रहण कर सकें। यह बहुत गहरा विज्ञान है लेकिन इसकी आलोचना इसलिए हो रही है कि उन्होंने इसे समझा ही नहीं।

विकास का उपकरण

वास्तव में भस्म शिव या किसी और भगवान की दी हुई चीज नहीं है। यह विश्वास का प्रश्न नहीं है। भारतीय संस्कृति में, उसे गहराई से किसी व्यक्ति के विकास के उपकरण के रूप में देखा गया है। सही तरीके से तैयार विभूति की एक अलग गूंज होती है। इसके पीछे के विज्ञान को पुनर्जीवित करने और उसका लाभ उठाने की जरूरत है। हमारे देश की संस्कृति में राख के बहुत से संदर्भ और अर्थ है राख एक वह जो जीवन का कटु सत्य है। प्राणांत के बाद यह देह भी भस्मसात होगी ही। कई बार तीर्थ स्थानों में गुफाओं में धूनी रमाए तपस्या करते साधु देखे जा सकते हैं। हमारे लोकगीतों और शास्त्रीय संगीत में अनेक प्रसंगो में भस्म का जिक्र आया है जैसे भस्म अंग गौरी संग अधिक सुहाय है...। कवियों ने अपनी कविताओं में भी भस्म का खूब प्रयोग किया हैं श्रीचन्द्रकुंवर बर्त्वाल ने 'ज्योति ओंकार' कविता में लिखा है ''शोभित चन्द्र कला मस्तक पर, भष्म विभूषित नग्न कलेवर कटि पर कृष्ण गजानिन सा घन गिरती घोर घोष कर पद पर वज्र छटा सी दीप्त सुरधुनि। तथा शिव पंचाक्षर स्तोत्र में लिखा है- नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय विभूषिताय..।

राख से उपचार

आयुर्वेद में भी राख का विशेषकर पहाड़ी गाय के गोबर से बने उपले की राख का कई प्रकार से उपयोग किया जाता है। किसी बच्चे के पेट में दर्द होने पर गांवों में जब डाक्टर और दवा नहीं होती थी तो बुजुर्ग लोग दादी-नानी बच्चे के पेट में जलती अंगीठी से गर्म राख निकालकर मल देते और सेक करते थे तो आराम आता था। कई बार जब बच्चे की तकलीफ का पता नहीं चलता था और लगातार रोता था तो उसे गोद में लेकर सयाने लोग मंत्र बोल-बोल कर राख का स्पर्श करते हुए कभी मां दुर्गा का, कभी हनुमान चालीसा का, कभी भगवान शंकर के, या अन्य देवी देवताओं का पाठ करते और बालक के माथे पर राख का तिलक लगाते और बच्चे दर्द मुक्त हो कर सो जाते। भारतीय संस्कृति में गो माता तो पूजनीय है ही तथा उसके त्याज्य गोमूत्र और गोबर की सर्वोत्तम जैविक खाद तो है ही इसके अतिरिक्त गाय से प्राप्त दूध, दही, घी, मक्खन आदि पदार्थों का भी आरोग्यता के लिए प्रयोग किया जाता है। गाय के गोबर के उपले की राख के भी अनेक प्रयोग है संक्रमण से जब कभी गंज रोग हो जाता है और सर पर गोल चकत्ते बन जाते व सिर के बाल उड़ जाते हैं तो उसके उपचार के लिए भी राख की आवश्यकता होती जो एक अलग विधि है। गाय के गोबर के उपले की राख में अत्यधिक औषधीय तत्व हैं। यों तो स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से संक्रामक रोगों पर काफी नियन्त्रण कर लिया गया है। फिर भी कभी-कभार कहीं न कहीं रोगों के दर्शन हो ही जाते हैं। बड़ी माता भयानक संक्रामक रोग है। जो शरीर पर निकले फफोलों के सूखने पर खुरण्ड से फैलता है उससे चेहरा कुरूप हो जाता है कहीं बार आंखों की रोशनी भी चली जाती हैं जिस समय उसके फफोले सूखने लगे तो उस समय उस स्थान पर कपड़े से छनी हुई गाय के गोबर के उपले की राख मलने से दाग नहीं पड़ते। यह अनुभूत सत्य है।

भस्म तिलक का आकार

देवता के तत्वानुसार मस्तक पर लगाए तिलक का आकार निर्धारित होता है। मस्तक पर बनाए भस्म के पट्टों में शिवतत्त्व आकर्षित होता है और शिव लय से संबंधित देवता होने से शिवतत्त्व आकर्षित करने वाली सीधी रेखाएं मस्तक पर बनाई जाती हैं। सीधी रेखा शांति एवं स्थिरता दर्शाती है। उसी प्रकार मस्तक के ये तीन पट्टे त्रिगुण, तथा उत्पत्ति, स्थिति एवं लय से संबंधित होते हैं। तिलक से निर्मित स्पंदन देह में कार्यरत होते हैं। तिलक के आकारानुसार व्यक्ति की प्रकृति तथा साधनामार्ग की पहचान होती है। विशेषज्ञों ने उत्तराखण्ड के सभी सिद्धपीठों का का वर्णन किया है। उत्तराखण्ड में लगभग सभी सिद्धपीठों में भस्म को अति पवित्र मानकर प्रसाद दिया जाता है और भक्तजन कुंकुम, रोली तथा चन्दन की तरह उसे शिरोधार्य करते है, अपनी आस्था और विश्वास के फलस्वरूप। भारतवर्ष के महान दार्शनिक विद्वान चार्वाक ने कहा था जब तक जीना है सुखपूर्वक जीना चाहिए कर्ज करके भी घी पीना चाहिए भस्म होने वाली यह देह भला फिर कहां से आएगी।

किस दिशा में सिर रख कर सोएं...?

पारंपरिक रूप से उत्तर दिशा में सिर रख कर सोने के लिए अकसर हमें मना किया जाता है। क्या यह नियम पूरी दुनिया में सभी स्थानों पर लागू होता है? क्या है इसका विज्ञान? कौन सी दिशा सोने के लिए सबसे अच्छी है? किस दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए? यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

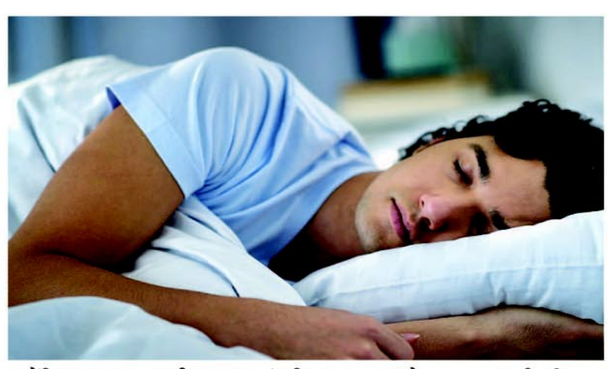

आपने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों यानी मैगनेटिक फील्ड के बारे में सुना होगा। कई रूपों में अपनी चुंबकीयता के कारण पृथ्वी बनी है। इसलिए इस ग्रह पर चुंबकीय शक्तियां शक्तिशाली हैं। अगर हम उत्तर की ओर सिर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उस तरह रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। जब शरीर क्षैतिज अवस्था में होता है, तो हम तत्काल देख सकते हैं कि हमारी नाड़ी की गति धीमी हो जाती है। शरीर यह बदलाव इसलिए लाता है क्योंकि अगर रक्त उसी स्तर पर पंप किया जाएगा, तो हमारे सिर में जरूरत से ज्यादा रक्त जा सकता है और हमें नुकसान हो सकता है। अब अगर हम अपना सिर उत्तर की ओर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उसी अवस्था में रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। अगर कोई व्यक्ति एक उम्र से आगे निकल चुका है और उसकी रक्त शिराएं कमजोर हैं तो उसको रक्तस्राव और लकवे के साथ स्ट्रोक हो सकता है। अगर हमारा शरीर मजबूत है और ये चीजें हमारे साथ नहीं होतीं, तो हम उत्तेजित या परेशान होकर जाग सकते हैं क्योंकि सोते समय दिमाग में जितना रक्त संचार होना चाहिए, उससे ज्यादा होता है। ऐसा नहीं है कि एक दिन ऐसा करने पर हम मर जाएंगे। मगर रोजाना ऐसा करने पर हम परेशानियों को दावत दे रहे हैं। हमारे साथ किस तरह की परेशानियां हो सकती हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि हमारा शरीर कितना मजबूत है।

पूर्व सबसे अच्छी दिशा: तो किस दिशा में सिर करके सोना सबसे अच्छा होता है? पूर्व सबसे अच्छी दिशा है। पूर्वोत्तर ठीक है। पश्चिम चलेगा। अगर कोई विकल्प नहीं है तो दक्षिण। उत्तर बिल्कुल नहीं। जब तक आप उत्तरी गोलार्ध में हैं, यही सही है। उत्तर के अलावा किसी भी दिशा में सिर करके सोया जा सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में, दक्षिण की ओर सिर करके न रखें।

सुबह ऐसे उठें

अपनी दायीं तरफ घूमें: जब आप उठें, तो अपनी दायीं तरफ घूमें और फिर बिस्तर से बाहर आएं, क्योंकि नींद से उठते समय मेटाबोलिक प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। ऐसे में अचानक से बिस्तर छोड़ने पर दिल पर दबाव पड़ेगा।

अपने हाथों को मसलें: सुबह बिस्तर से उठने से पहले अपने हाथों को मसलें और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर लगाएं। हथेलियों को मसलने से हाथों में स्थित सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और हमारा सिस्टम जल्दी से सजग हो जाता है।

मुस्कुराएं: सुबह उठ कर मुस्कुराएं! किसे देख कर? किसी को नहीं! क्योंकि आपका सुबह उठना अपने आप में एक बड़ी बात है। लाखों ऐसे लोग हैं जो कल रात सोए और आज सुबह नहीं उठे, लेकिन आप सुबह उठ गए। क्या यह बड़ी बात नहीं है? इसलिए मुस्कुराएं।

उठने के बाद यह करें

पारंपरिक रूप से यह भी कहा जाता है कि सुबह उठने से पहले हमें अपनी हथेलियां रगड़नी चाहिए और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर रखना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने पर हमें भगवान दिख सकते हैं। इसका संबंध भगवान के दिखने से नहीं है। हमारे हाथों में नाड़ियों का एक भारी जाल है। अगर हम अपनी हथेलियां रगड़ते हैं, तो सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और शरीर तत्काल सजग हो जाता है। सुबह जगने पर भी अगर सुस्त महसूस करते हैं, तो ऐसा करके देखिए, आपका पूरा शरीर तत्काल सजग हो जाएगा। तत्काल आपकी आंखों और आपकी इंद्रियों के दूसरे पहलुओं से जुड़ी सारी नाड़ियां सजग हो जाती हैं। शरीर को हिलाने से पहले आपका शरीर और दिमाग दोनों सक्रिय होने चाहिए। आपको सुस्त नहीं उठना चाहिए, इसका मकसद यही है।

खादी की लहर है...

केवीआईसी यानी खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग ने मंगलावर को कहा कि देश में खादी की लहर है और कई मंत्रालयों व संस्थानों ने दैनिक आधार पर हाथ से बुने परिधान का उपयोग शुरू किया है। खादी उत्पादों के लिए मांग बढ़ रही है और खादी दस्तकारों के लिए अधिक मानव श्रम सृजित कर रही है। जब 1920 के दशक में भारत में हाथ से बने खादी वस्त्रों की शुरुआत हुई तो यह केवल एक ढर्रा नहीं था, यह एक विचारधारा के रूप में सामने आया था। इसके सबसे बड़े प्रशंसक महात्मा गांधी थे और सूती भारत की आत्मनिर्भरता, ब्रितानी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले कपड़ों से आजादी का प्रतीक बन गया था। आज भी यह कई नेताओं की पहली पसंद है। अब इसे लगातार फैशनेबल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय मौसम के लिए यह सबसे दुरुस्त पहनावा है, जो पसीने और गर्मी से राहत देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी खादी पहनने का सुझाव दिया था। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया अनुसार यह बहुत ज़्यादा संभावना वाला बाजार है, खादी के कपड़े सस्ते हैं. भारतीय डिजाइनर जनता के साथ काम करना चाहते हैं, न कि कुछ खास लोगों के लिए। इस समय भारतीय कपड़ा बाजार में इसकी महज एक या दो फीसदी हिस्सेदारी है। यह अभी भी एक सवाल है कि खादी की छवि को बदलने की ये कोशिशें क्या वाकई कोई बदलाव ला सकेंगी। हालांकि, इसकी व्यापक लोकप्रियता में समय लग सकता है लेकिन खादी में बदलाव इससे जुड़े लाखों कारीगरों की जिंदगी को बदल सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**